आश्विन कृष्ण - 30 ■ संवत 2080 ■ वर्ष - 19 ■ अंक - 82 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » शनिवार » 14-10-2023 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 पहले अमेठी के सांसद केवल चुनाव के समय नजर आते थे : योगी

6 उच्च शिक्षा प्राप्त कर विदेश में बस जाना देश के लिए नुकसानदेह

7 टाइगर अपने एक हाथ से दुश्मनों की सेना का मुकाबला कर सकता है : सलमान

नवरात्रि घट स्थापना मुहूर्त

शारदीय नवरात्रा पर्व रविवार 15 अक्टूबर से प्रारंभ हो रहा है। इस बार मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आ रही हैं। हाथी ज्ञान, सुख-समृद्धि, उन्नति और अच्छे स्वास्थ्य का प्रतीक है। मां की आराधना करने से निश्चय ही लाभ होता है।

घट स्थापना का शुभ मुहूर्त दिन में 10.23 बजे तक वैधृति नाम का योग रहेगा और इस योग में घट स्थापना करना शुभ नहीं माना गया है।

घट स्थापना के लिए श्रेष्ठ समय दिन में 11.41 बजे से दोपहर 12.29 बजे तक अभिजीत मुहूर्त का रहेगा। चौघड़िया अनुसार वैधृति योग उपरांत दिन में 10.23 बजे से 12.05 बजे तक लाभ-अमृत वेला में भी घट स्थापना कर सकते हैं।

– पंडित जगदीश आचार्य
मोबाइल : 9448417398

फर्स्ट टेक

अफगानिस्तान में भूकंप से 17,000 लोग प्रभावित

संरा/वार्ता। संयुक्त राष्ट्र महासचिव के प्रवक्ता स्टीफन दुजारिक ने कहा कि अफगानिस्तान के हेरात में भूकंप से 17,000 से अधिक लोग और 110 से अधिक गांव प्रभावित हुए हैं। दुजारिक ने कहा , अंतरराष्ट्रीय स्टाफ अफगानिस्तान की जरूरतों का आकलन करने के लिए प्रभावित क्षेत्र में हैं। वह जल्द से जल्द नुकसान का आकलन करने का प्रयास कर रहे हैं। अफगानिस्तान के लिए हमारी मानवीय अपीलें – जैसे कि वहाँ अधिकांश स्थान अल्प वित्त पोषित हैं, लेकिन हम जितनी जल्दी हो सकेगा प्रभावित लोगों की मदद करने की कोशिश कर रहे हैं। दुजारिक के मुताबिक सप्ताह के शुरूआत में आए भूकंप में कम से कम 140 लोग घायल हुए हैं।

रिजर्वबैंक ने यूनियन बैंक, आरबीएल बैंक, बजाज फाइनेंस पर लगाया जुर्माना

मुंबई/भाषा। भारतीय रिजर्व बैंक ने शुक्रवार को कहा कि निर्देशों का अनुपालन नहीं करने के लिए यूनियन बैंक ऑफ इंडिया, आरबीएल बैंक और बजाज फाइनेंस लिमिटेड पर जुर्माना लगाया गया है। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि 'ऋण और अग्रिम – सांविधिक और अन्य प्रतिबंध' से संबंधित उसके निर्देशों का अनुपालन नहीं करने के लिए सार्वजनिक क्षेत्र के यूनियन बैंक ऑफ इंडिया पर एक करोड़ रुपये का जुर्माना लगाया गया है।

14-10-2023 सूर्यास्त 6:01 बजे | 15-10-2023 सूर्योदय 6:09 बजे

BSE	NSE
66,282.74	19,751.05
(-125.65)	(-42.95)

सोना	चांदी
5,992 रु.	70,730 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

परिवारवाद

पहला हक है संतानों का,
भाई का क्रम फिर उसके बाद।
विधवा पत्नी सर्वोपरि है,
उसमें ना कोई विवाद।
साले साली जीजा बहिनें,
कर रहे भतीजे भी फसाद।
है राजनीति में युग-युग से,
जड़ तक फैला परिवारवाद।।

सतत विकास, महिला नेतृत्व और हरित ऊर्जा संबंधी

संयुक्त घोषणा पत्र पर पी 20 में सर्वसम्मति

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। जी- 20 सदस्य देशों की संसदों के अध्यक्षों के नौवें शिखर सम्मेलन- पी 20 में सतत विकास के लक्ष्यों , महिलाओं के नेतृत्व में विकास , हरित ऊर्जा और डिजिटलीकरण के माध्यम से जीवन स्तर को बेहतर बनाने संबंधी संयुक्त घोषणा पत्र को शुक्रवार को सर्वसम्मति से स्वीकार किया गया। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने इस प्रस्ताव को सदस्य देशों के समक्ष रखा जिसे सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित कर दिया। बिरला ने भारत के नेतृत्व में इसे पी 20 सम्मेलन की बड़ी सफलता बताया और कहा कि इस एजेंडे को साकार करने में सभी संसदें मिलकर काम करेंगी।

संयुक्त घोषणा पत्र में कहा गया है कि सदस्य देशों की संसद संसदीय कूटनीति तथा संवाद के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय शांति , समृद्धि और सद्भावना को बढावा देने की दिशा में कार्य करने का संकल्प लेती हैं। सदस्य देशों की संसदों के अध्यक्षों ने नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से महिलाओं को संसद और विधानसभाओं में 33 प्रतिशत आरक्षण देने के लिए भारत को बधाई दी। बिरला ने कहा कि दो सप्ताह से चले आ रहे विचार विमर्श के परिणामस्वरूप सभी सदस्य देश संयुक्त घोषणा पत्र पर आम सहमति बनाने में सफल रहे हैं।

आतंकवाद के खिलाफ निरंतर सख्त रूख अपनाये जाने की जरूरत : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इजरायल और फलस्तीन में जारी संघर्ष के बीच सभी तरह के आतंकवाद को मानवता के लिए सबसे बडी चुनौती बताते हुए आज कहा कि टकराव और संघर्ष से भरी दुनिया किसी के हित में नहीं है तथा आतंकवाद से निपटने के लिए लगातार सख्त रवैया अपनाये जाने की जरूरत है। इजरायल और फलस्तीन के बीच संघर्ष का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए उन्होंने जोर देकर कहा कि परस्पर विश्वास की कमी का सामना कर रही तथा बंटी हुई दुनिया टकरावों का समाधान नहीं कर सकती।

मोदी ने शुक्रवार को यहां यशोभूमि कन्वेंशन सेंटर में जी 20 देशों के संसदीय अध्यक्षों के नौवें पी 20 सम्मेलन का उदघाटन करते हुए कहा , ' आतंकवाद चाहे कहीं भी होता हो, किसी भी कारण से, किसी भी रूप में होता है, लेकिन वो मानवता के विरुद्ध होता है।ऐसे में आतंकवाद को लेकर हमें निरंतर सख्ती बरतने की जरूरत है! ' उन्होंने कहा कि दुनिया अभी संघर्षों और टकराव से जूझ रही है और इस तरह की दुनिया किसी के हित में नहीं है। उन्होंने कहा कि यह बंटी हुई दुनिया टकरावों का समाधान नहीं कर सकती । उन्होंने कहा ,' यह शांति और भाईचारे का समय है, साथ मिलकर चलने का समय है, साथ आगे बढ़ने का समय है। यह सबके विकास और कल्याण का समय है।' मोदी ने कहा कि अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर आतंकवाद की परिभाषा को लेकर आम सहमति नहीं बनना दुखद है। आतंकवादी संगठन इसका फायदा उठा रहे हैं। दुनिया भर की संसदों को मंथन करना होगा कि जनभागीदारी के आधार पर इससे कैसे निपटा जाये।

प्रधानमंत्री ने कहा कि सभी को एक पृथ्वी , एक परिवार और एक भविष्य के मूल मंत्र तथा भावना के साथ आगे बढते हुए विश्वास के संकट को दूर करना होगा। संयुक्त राष्ट्र में सुधारों की वकालत करते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया से जुडे फैसलों में निर्णय लेते समय भागीदारी जितनी बडी होगी उन निर्णयों का प्रभाव भी उतना ही बडा होगा। इस संदर्भ में उन्होंने अफ्रीकी संघ को जी 20 देशों के समूह में शामिल करने की भारत की पहल का उदाहरण भी दिया।

भारतीय संसद पर आतंकवादी हमले का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि भारत ने बडी हिम्मत और ताकत से उसका मुकाबला किया और इसी तरह की चुनौतियों से निपटते हुए ही भारत आज यहां तक पहुंचा है।

दिल्ली आबकारी नीति मामला

'आप' सांसद संजय सिंह 27 तक न्यायिक हिरासत में

नई दिल्ली/भाषा। यहां की एक अदालत ने दिल्ली आबकारी नीति से संबंधित कथित घोटाला मामले में गिरफ्तार आम आदमी पार्टी (आप) के नेता संजय सिंह को शुक्रवार को 27 अक्टूबर तक के लिए न्यायिक हिरासत में भेज दिया। इससे पहले, ईडी की हिरासत की अवधि खत्म होने पर सिंह को विशेष न्यायाधीश एम.के. नागपाल के समक्ष पेश किया गया। न्यायाधीश ने संक्षिप्त सुनवाई के दौरान सिंह को अदालत के अंदर असंबद्ध मामलों पर बयान नहीं देने का भी निर्देश दिया।

सऊदी अरब में अफगानी नागरिकों से 12 हजार पाकिस्तानी पासपोर्ट बरामद

इस्लामाबाद/वार्ता। सऊदी अरब में अधिकारियों ने अफगानिस्तान के नागरिकों से 12,000 पाकिस्तानी पासपोर्ट बरामद किये हैं। जियो न्यूज की रिपोर्ट की मुताबिक सऊदी अरब में कानून प्रवर्तन एजेंसियों ने अवैध प्रवासियों, विशेषकर अफगानों को फर्जी नागरिकता दस्तावेज जारी करने वालों के खिलाफ अभियान छेड़ रखा है। इसी दौरान अधिकारियों ने रियाद में पाकिस्तानी दूतावास को अफगान नागरिकों से बड़ी संख्या में पाकिस्तानी पासपोर्ट बरामद होने की सूचना दी है।

किसान अर्थव्यवस्था की रीढ़ है : धनखड़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/वार्ता। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने किसानों से कृषि उत्पादों के बाजार से जुड़ने का आह्वान करते हुए शुक्रवार को कहा कि कृषक समाज देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ है। धनखड़ ने आज उनसे मिलने के लिए आए हरियाणा के किसानों को संबोधित करते हुए कहा कि जब किसान हंसता है तो पूरा देश हंसता है और सभी वर्गों में खुशहाली आती है। उन्होंने कहा कि किसानों को कृषि उत्पादों के व्यापार में आगे आना चाहिए। कृषि उत्पादों का व्यापार दुनिया में बहुत बड़ा है।

उपराष्ट्रपति ने किसानों से मूल्य संवर्धन और किसान उत्पादक संगठन के गठन पर जोर देने को कहा। उन्होंने हरियाणा सरकार से पुरस्कृत प्रगतिशील किसानों को संसद भवन में बुलाकर सम्मानित किया और संसद में किसानों के साथ किया दोपहर का भोजन भी किया। धनखड़ आठ अक्टूबर को हरियाणा के हिसार में एकदिवसीय यात्रा पर गये थे, जहां उन्होंने चौधरी चरण सिंह कृषि विश्वविद्यालय में कृषि विकास मेले के उद्घाटन किया था। इस समारोह को संबोधित करते हुए उन्होंने किसानों को नया संसद भवन देखने के लिए आमंत्रित किया था।

उपराष्ट्रपति ने सभी किसानों से बातचीत की और उनको प्रमाण पत्र एवं शॉल भेंट कर सम्मानित किया। किसानों के साथ हरियाणा के कृषि मंत्री जय प्रकाश दलाल और कृषि विभाग के अधिकारीगण भी उपस्थित थे।

किसानों को संबोधित करते हुए धनखड़ ने किसानों को अर्थव्यवस्था की रीढ़ की हड्डी बताया। उन्होंने कहा कि भारतीय संसद दुनिया की सबसे बड़ी पंचायत है। इस पंचायत में किसानों की चर्चा होनी चाहिए।

मेक्सिको की सीनेट की अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री के हाथ पर राखी बांधी

नई दिल्ली/भाषा। मेक्सिको की सीनेट की अध्यक्ष एना लिलिया रिवेरा ने शुक्रवार को जी20 संसदीय अध्यक्षों के शिखर सम्मेलन (पी20) से इतर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के हाथ पर 'राखी' बांधी। अधिकारियों ने कहा कि रिवेरा ने प्रधानमंत्री मोदी को 'राखी' बांधी और प्रधानमंत्री ने उन्हें अपना आशीर्वाद दिया। नौवें जी20 संसदीय अध्यक्ष शिखर सम्मेलन (पी20) के उद्घाटन सत्र को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि दुनिया में कहीं भी और किसी भी रूप में आतंकवाद मानवता के खिलाफ है और संघर्षों से किसी को फायदा नहीं होता है। उन्होंने यह भी कहा कि ''यह समय शांति और भाईचारे का है'', क्योंकि एक विभाजित दुनिया बड़ी वैश्विक चुनौतियों का समाधान नहीं दे सकती है।

इजराइली सेना ने दस लाख लोगों को गाजा क्षेत्र खाली करने का निर्देश दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

यरुशलम/एपी। इजराइल की सेना ने गाजा सिटी में रहने वाले करीब 10 लाख लोगों को वहां से चले जाने का शुक्रवार को निर्देश दिया। इस निर्देश के बाद क्षेत्र में इजराइल की ओर से जमीनी कार्रवाई किए जाने की आशंका तेज हो गई है। संयुक्त राष्ट्र ने आगाह किया है कि इतनी बड़ी संख्या में लोगों का जान बचा कर भागना घातक साबित हो सकता है, वहीं हमास ने इजराइली सेना के इस निर्देश को खारिज कर दिया और लोगों से अपने घरों में रहने को कहा है। हमास ने शनिवार को इजराइल पर ताबड़तोड़ हवाई हमले किए थे, जिसके जवाब में इजराइली रक्षा बलों (आईडीएफ) ने हमास के मुख्य ठिकानों को निशाना बनाकर कार्रवाई की है। संघर्ष का आज सातवां दिन है।

निकासी आदेश में गाजा सिटी का हिस्सा भी आता है। इस आदेश के बाद नागरिकों के बीच भारी दहशत है। गाजा सिटी में 'पैलेस्टीनियन रेड क्रीसेंट' की प्रवक्ता नेबाल फारसाख ने रुंधे गले से कहा,'' भोजन के बारे में भूल जाइए, बिजली, ईंधन के बारे में भूल जाइए। इस वक्त की चिंता बस यही है कि क्या आप जिंदा रहने वाले हैं।'' युद्ध ने पहले ही दोनों पक्षों के 2,800 से अधिक लोगों की जान ले ली है और पूरे क्षेत्र में तनाव बढ़ गया है। हाल में इजराइल ने लेबनान के आतंकवादी समूह हिजबुल्ला पर भी हवाई हमले किए हैं जिसे देखते हुए व्यापक संघर्ष की आशंका पैदा हो गई है हालांकि वह सीमा फिलहाल शांत है। पास के देशों में शुक्रवार को जुमे की नमाज के दौरान प्रदर्शन देखने को मिले। यरुशलम के पुराने शहर में तनाव अपने चरम पर है। पवित्र अल-अक्सा मस्जिद का जिम्मा संभालने वाली इस्लामिक संस्था ने कहा कि इजराइली प्राधिकारी 50 वर्ष से कम उम्र के पुरुषों को प्रवेश नहीं करने दे रहे हैं।

इजराइल ने समाहांत के हमले के बाद से गाजा पर लगातार बमबारी की है। हमास के लड़ाकों ने देश के दक्षिणी क्षेत्र में हमला किया और सैकड़ों लोगों का नरसंहार किया। उन्होंने बच्चों और एक संगीत समारोह में शामिल युवाओं की हत्या भी की।

हमास ने 150 लोगों को अगवा कर लिया है और उन्हें गाजा ले गए हैं। हमास ने कहा कि गाजा पट्टी पर इजराइल की ओर से की गई भारी बमबारी में 13 बंधकों की मौत हो गई जिनमें विदेशी भी शामिल हैं। हमास की सैन्य शाखा ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि पिछले 24 घंटों में विभिन्न स्थानों पर 13 लोगों की जान गई है। वहीं इजराइली सेना के प्रवक्ता रियर एडमिरल डेनियल हैगारी ने हवाई हमलों में बंधकों के मारे जाने की खबर को खारिज किया है और 'अल जजीरा अरैबिक' से कहा,''हमारी पास अपनी सूचना है और हम हमास के झूठ को नहीं मानते।''

गाजा पट्टी में की छोटे स्तर पर छापेमारी : इजराइली सेना

यरुशलम/एपी। इजराइली सेना ने कहा है कि पहली बार उसके पैदल सैनिकों ने गाजा पट्टी के भीतर घुसकर छापेमारी की। इजराइली सेना ने शुक्रवार को एक बयान में कहा कि उसके सैनिक हमास के आतंकवादियों से लड़ने, उनके हथियारों को नष्ट करने और हमास द्वारा रखे गए लापता बंधकों के बारे में सबूत खोजने के लिए गाजा में दाखिल हुए थे। इजराइली सेना की यह घोषणा हालांकि, गाजा पर अपेक्षित जमीनी आक्रमण की शुरुआत नहीं मानी जा रही है। पिछले शनिवार को हमास आतंकवादियों द्वारा किए गए घातक हमले के बाद से ही इजराइल गाजा सीमा पर सैनिकों की संख्या बढ़ा रहा है।

॥ श्री सुमतिनाथाय नमः ॥
श्री सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ
मागड़ी रोड, बेंगलूरु के तत्वावधान में भव्यातिभव्य
श्री सुमतिनाथ जिनालय सह दादावाड़ी
अंजनशलाका प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव के
चढ़ावों की जाजम हेतु
सकल श्रीसंघ को हार्दिक आमंत्रण
प्रतिष्ठा संबंधी जाजम का शुभ दिन
रविवार, 15 अक्टूबर 2023, प्रातः 9.00 बजे से
स्थल : अशोका कन्वेन्शन हॉल
राजाजीनगर इंडस्ट्रीयल टाउन, बेंगलूरु 44
चढ़ावों की विगत
प्रतिष्ठा संबंधी नवकारसी, फलेचुन्दड़ी, पूजा, पूजन, कल्याणक के पात्र आदि के विभिन्न चढ़ावे बोले जाएंगे।
अंजनशलाका प्रतिष्ठा निश्रादाता : पूज्य गुरुदेव युग दिवाकर, अंवति तीर्थोद्धारक
खरतरगच्छाधिपति आचार्य श्री जिनमणिप्रभसूरीश्वरजी म.सा.
गणिवर्य श्री मयंकप्रभसागरजी म.सा. आदि ठाणा
चढ़ावा जाजम निश्रादाता : गच्छगणिनी प.पू. साध्वीश्री सुलोचनाश्रीजी म.सा.,
प.पू. श्री प्रीतिसुधाश्रीजी म.सा. आदि ठाणा
जाजम बिछाने के लाभार्थी
श्रीमान् शा सुरेशकुमारजी कपूरचन्दजी पालरेचा
मागड़ी रोड, बेंगलूरु (मोकलसर)
शुभ प्रतिष्ठा 11.02.2024
निवेदन : श्री सुमतिनाथ जैन श्वेताम्बर मूर्तिपूजक संघ
7वां क्रॉस (लेफ्ट साइड) मागड़ी रोड, बेंगलूरु 23
सम्पर्क नं. : 98450 26627, 98450 16900, 98440 43519, 98448 19599, 98453 06468

गुरुदर्शन यात्रा संघ में 350 यात्रियों ने किए आचार्यश्री महाश्रमण के दर्शन, लिया आशीर्वाद

तेरापंथ सभा यशवंतपुर ने आयोजित किया था गुरु दर्शन यात्रा संघ ▶ प्रायोजक परिवारों का किया गया सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। तेरापंथ सभा यशवंतपुर के नेतृत्व में गुरु दर्शनार्थ यात्रा संघ सोमवार को ट्रेन द्वारा यशवंतपुर रेलवे स्टेशन से तेरापंथ सभा अध्यक्ष गौतमचन्द मुथा के नेतृत्व में रवाना होकर मुंबई स्थित नंदनवन में विराजित आचार्यश्री महाश्रमणजी आदि के दर्शन किए। मुनिश्री हिमाशुकुमारजी की प्रेरणा से 350 यात्रियों ने आचार्यश्री के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया। यशवंतपुर सभा अध्यक्ष गौतमचंद मुथा ने गुरुदेव के प्रति कृतज्ञता अर्पित करते हुए यशवंतपुर सभा की गतिविधियों की जानकारी आचार्यश्री को दी। आचार्यश्री ने सभी यात्रियों को आशीर्वाद देते हुए धर्म की प्रेरणा दी। साध्वी प्रमुखाश्री विश्रुत विभाजी, मुख्यमुनि प्रवरमुनिश्री, महावीरकुमारजी आदि साधु साध्वियों ने संघ को आशीर्वाद दिया। सभा मंत्री महावीर ओस्तवाल ने यात्रा संघ की व्यवस्थाओं के बारे में जानकारी प्रदान की।

संघ संयोजक दीपक सेठिया, युवक परिषद अध्यक्ष जिगर मारू, महिला मंडल अध्यक्ष मीनाक्षी दक, यशवंतपुर सभा के पूर्व अध्यक्ष प्रकाश बाबेल, ज्ञानशाला से विराट मुथा, महिला मंडल मंत्री लाडली मुथा ने अपने विचार रखे। विनोद मुथा ने प्रारंभ से लेकर सम्पूर्ण यात्रा समापन तक की पूरी जानकारी दी। युवक परिषद एवं महिला मंडल सामूहिक भाव भरी गीतिका का गान किया।

सभी यात्रियों व तेरापंथ सभा के पदाधिकारियों ने यात्रा संघ के प्रायोजक प्रायोजक कुलदीप,दीपक, लवेश कातरेला परिवार, किट प्रायोजक जीतमल, दीपक, हितेश सेठिया, गिफ्ट प्रायोजक गौतमचंद, विनोद्, प्रमोद, विकाश मुथा परिवार, प्रकाशचन्द, दीपक, विकास बाबेल परिवार तथा पारसमल जीगर,मेघा मारू परिवार का साधुवाद करते हुए सम्मान किया। सभा की ओर से प्रायोजक परिवार को स्मृति चिन्ह भेंट किया गया। प्रायोजक परिवार ने सभा अध्यक्ष गौतमचंद मुथा का भी सम्मान करते हुए संघ यात्रा के प्रायोजक बनाने के लिए धन्यवाद दिया। सभा अध्यक्ष गौतमचन्द मुथा ने सभी यात्रियों को धन्यवाद दिया तथा युवा कार्यकर्ताओं की टीम को धन्यवाद दिया। गुरु दर्शन यात्रा में सभा के पदाधिकारी, सदस्य, युवक परिषद, महिला मंडल का सहयोग मिला। सहसंयोजक विकास बाफना व जितेन्द्र पितलिया ने सभी को धन्यवाद दिया। यह जानकारी सभा मंत्री महावीर ओस्तवाल ने दी।

तेरापंथ महिलाओं ने कार्यशाला में समझा 'पढ़ने' का महत्त्व

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशानुसार तेरापंथ महिला मंडल गांधीनगर के तत्वावधान में 'दि पावर का रीडिंग' नामक कार्यशाला का आयोजन गांधीनगर भवन में हुआ। अध्यक्ष रिजु डूंगरवाल ने सभी का स्वागत करते हुए कहा कि पॉवर ऑफ रीडिंग एक बहुत अच्छी कार्यशाला है, इसमें हम रीडिंग का महत्व समझेंगे।

पढ़ने से ज्ञान में वृद्धि होती है और सर्वांगीण विकास होता है। कार्यशाला की मुख्य वक्ता अनीता गांधी इंटरनेशनल ट्रेनर ने पढ़ने की फायदे बताते हुए कहा कि पढ़ने की कोई उम्र नहीं होती, पढ़ने के लिए हमें सबसे पहले ऐसी पुस्तक का चयन करना चाहिए जो हमें पसंद हो तभी पढ़ने में रुचि बढ़ेगी । पढ़ने से ज्ञान में, शब्दकोश में वृद्धि व भाषा शैली बेहतर होती है, सकारात्मक सोच बढ़ती है ,स्मरण शक्ति और सहनशीलता का विकास भी होता है। मंत्री ज्योति संचेती ने धन्यवाद दिया।

गोड़वाड़ मेघदूत कप का मेगा फाइनल कल

कार्निवल एवं महिला क्रिकेट मैत्री मैच भी रहेंगे आकर्षण का केन्द्र

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। गोड़वाड़ भवन जैन ट्रस्ट के तत्वावधान में गोड़वाड़ मेगा क्रिकेट टूर्नामेंट 'मेघदूत कप 2023' के सेमीफाइनल व फाइनल मैच रविवार को खेले जाएंगे। ग्रुप ए में 8 अंकों के साथ पुनमिया टाइटंस टीम प्रथम व केके रायल्स टीम 6 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। वहीं ग्रुप बी में भी 8 अंकों के साथ बीबीएन सुपर किंग्स टीम प्रथम व मां पद्मावती मारवल्स टीम 6 अंकों के साथ दूसरे स्थान पर है। टूर्नामेंट में 10 टीमों ने हिस्सा लिया जिसमें अक्टूबर माह के प्रथम दो रविवार को एचएमटी ग्राउंड में सम्पन्न हुए लीग मैचों में प्रत्येक टीम ने 4 मैच खेले। खेले गए सभी मैचों में कांटे की टक्कर देखने को मिली और मैच रोमांच से भरे थे। इस टूर्नामेंट के प्रायोजक भवरलाल अमीचंद श्रीश्रीमाल परिवार वाले हैं। प्रोजेक्ट चेयरमैन अशोक करबावाला ने कहा कि गोड़वाड़ भवन ट्रस्ट द्वारा इस तरह के आयोजन का मुख्य उद्देश्य गोड़वाड़ के सभी गांवों के प्रवासी परिवारों और विशेष रूप से युवाओं को खेल के साथ सामाजिक नेटवर्किंग से जोड़ना है।

इस टूर्नामेंट की विशेषता बताते हुए करबावाला ने कहा कि इस टेनिस बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट में 2 मिनिट का स्ट्रैटेजिक टाइम आउट एवं तीसरे अम्पायर के निर्णय की सुविधा रखी गई थी जो इस तरह के टूर्नामेंट में संभवतः प्रथम बार प्रयोग में लाई गई है। भवन ट्रस्ट के महामंत्री विक्रम करबावाला एवं कोषाध्यक्ष गौतम के. मेहता ने बताया की मेगा फाइनल 15 अक्टूबर को सेंट जोसफ स्कूल ग्राउंड में खेला जाएगा। फाइनल से पूर्व गोड़वाड़ कार्निवल एवं महिला क्रिकेट मैत्री मैच का भी आयोजन रखा गया है। कार्निवल में बच्चों व महिलाओं के विभिन्न खेलों का भी आयोजन आकर्षण का केन्द्र रहेंगे।

मुसीबत से पार वही पाता है जो मुसीबत में भी मुस्कुराना जान लेता है : साध्वी भव्यगुणाश्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के सिमंधरस्वामी राजेंद्रसूरी ट्रस्ट मामुलपेट के तत्वावधान में आयोजित चातुर्मास में गुरु राजेन्द्र भवन किलारी रोड में विराजित साध्वी भव्यगुणाश्रीजी ने कहा कि हम सूरज बनकर दुनिया का अंधेरा नहीं मिटा सकते, पर दीपक बनकर जरूर अपने आसपास का अंधेरा तो मिटा ही सकते हैं। दुनिया में जिंदगी जीने के दो ही रास्ते हैं एक भलाई का रास्ता और एक बुराई का। दुनिया बड़ी गजब की है, पशु अपने पूरे जीवनभर पशु ही रहता है, देवता अपने पूरे जीवन में देवता ही रहता है, पर एक इंसान के पास दो विकल्प हैं। वह चाहे तो पशु भी बन सकता है और चाहे तो मनुष्य जीवन में देवता भी बन सकता है। अगर सुखीराम बनना है तो भलाई का रास्ता ले लो। जिंदगी में जब जो हो रहा है, उस घटना के लिए आह-आह कहने की बजाय वाह-वाह कहने का आनंद उठाओ। जब आप कहेंगे आह जिंदगी तो जिंदगी भारी हो जाएगी, वाह जिंदगी कहेंगे तो जिंदगी आनंद से भर जाएगी। जीवन के हरपल को जो व्यक्ति वाह-वाह कहकर जीवन का आनंद लिया करता है, वही दुनिया का सबसे सुखी आदमी है। मुसीबतें तो सबके जीवन में आती हैं, पर मुसीबत से पार वही पाता है जो मुसीबत में भी मुस्कुराना जान लेता है।

साध्वी शीतलगुणाश्रीजी ने कहा कि हर आदमी की जिंदगी में हर इंसान से जुड़ी दो यादें होती हैं कुछ अच्छी यादें और कुछ बुरी यादें। जब श्वांस बाहर छोड़ो तो अपनी बुरी यादों को बाहर निकाला करो और जब श्वांस भीतर लो तो अपनी अच्छी यादों को भीतर में प्रवेश दिया करो। जिंदगी को आनंदभरी जीने का यह सबसे सरल तरीका है। निर्भर होने का, हल्का होने का तरीका भी यही है। छोटी सोच के लोग जिंदगी में कभी ऊंचाइयों को हासिल नहीं कर पाते, छोटी सोच के लोग जिंदगी में कभी बढ़ोत्तरी व निर्माण नहीं कर पाते।

दुनिया में यदि कोई हिमालय से भी ऊंचा है तो वो जिसकी सोच बड़ी है वही आदमी ऊंचा है। मेघराज भंसाली ने बताया कि रविवार को श्री महालक्ष्मी महापूजन होगा। इस मौके पर मरुधर भागली तीर्थ के अध्यक्ष रमेश बोहरा का सम्मान मेघराज भंसाली, हेमराज मोदी, मांगीलाल वेदमुथा, नेमीचंद वेदमुथा ने किया।

संसार के कार्य के साथ प्रभु भक्ति भी करनी जरुरी : आचार्य महेन्द्रसागरसूरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राणेबेन्नूरु। शहर के सुमतिनाथ जैन संघ में चातुर्मासार्थ विराजित आचार्यश्री महेन्द्रसागरसूरीश्वरजी की निश्रा में रविवार से प्रारंभ हो रहे मंत्र साधना अनुष्ठान हेतु कुंभ स्थापना-दीपक स्थापना एवं जवारारोपण हुआ। प्रवचन के दौरान आचार्यश्री ने कहा कि आज लोग ध्यान भजन भूलते जा रहे है। मंदिर जाना उन्हें अच्छा नहीं लगता, माला फेरना पसंद नहीं, भगवान के दर्शन करना भी अच्छा नहीं लगता। ऐसे लोगों का कभी कल्याण नहीं हो सकता।

भजन,भोजन और विद्या तीनों ही जो करते हैं उन्हीं को मिलता है पुण्य। ज्ञानी कहते हैं कि जो भगवान को नहीं भजते वे ज्ञानियों की नजर में पगले हैं। भगवान को याद किया करो, भक्ति किया करो। हम साधु होकर भी भगवान को भजते व याद करते हैं इसलिए हमें कोई चिंता, तनाव व परवाह नहीं रहती। संसार के कार्य करने के साथ साथ प्रभु भक्ति भी करनी चाहिए।

यादशक्ति को मजबूत बनाती है मां सरस्वती की आराधना : मुनिश्री राजपद्मसागर

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के शांतिनाथ श्वेतांबर मूर्तिपूजक जैन संघ एलएन पुरम, श्रीरामपुरम में विराजित मुनिश्री राजपद्मसागरजी की निश्रा में सरस्वती आराधना का आयोजन किया गया। मां सरस्वती की महिमा का गान करते हुए कहा मुनिश्री ने कहा कि मां सरस्वती की आराधना एवं मंत्रजाप करने से यादशक्ति बढ़ती है। अनेक पूर्वाचार्या ने ऐसे ही मां सरस्वती की आराधना की थी जिसकी वजह से जिनशासन की महान प्रभावना की। कलिकाल सर्वज्ञ श्री हेमचन्द्राचार्यजी महाराज ने की मां सरस्वती की आराधना करके साढ़े तीन करोड़ श्लोकों की रचना की।

मुनिश्री श्रमणपद्मसागरजी ने कहा कि ज्ञान द्वारा ही व्यक्ति महान बनता है। ज्ञान आधार पर जीवन अच्छे से जी सकते है। शुक्रवार को मां सरस्वती उद्यान में लाभार्थी परिवार एवं ट्रस्ट मंडल परिवार द्वारा मां सरस्वती की मूर्ति स्थापना एवं ज्वारारोपण विधि की गई।

'जीतो' लेडीज विंग साउथ की दो दिवसीय 'उड़ान' प्रदर्शनी संपन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। जीतो महिला विंग साउथ द्वारा 2 दिवसीय उड़ान प्रदर्शनी का आयोजन महावीर धर्मशाला में हुआ जिसमें 100 से भी अधिक स्टॉल में महिलाओं ने जमकर खरीदारी की। प्रदर्शनी के मुख्य प्रायोजक फतेह स्टोन प्राइवेट लिमिटेड रहे। फूड स्पॉन्सर इनफिनिया होम एंड किचन तथा गिफ्ट व प्राइज स्पॉन्सर हीराचंद गुलेच्छा फाउंडेशन रहा। जीतो के पूर्व अध्यक्ष अशोक नागोरी, नरेंद्र मुथा ने उड़ान में विक्रेताओं से बात की व सभी के प्रयासों की सराहना की। पूर्व अध्यक्षा निशा सामर और नरेंद्र सामर ने आयोजन पर प्रसन्नता जताई।

अध्यक्षा सुनीता गाँधी ने बताया कि इस कार्य के पीछे पूरी टीम का सहयोग रहा तभी प्रदर्शनी सफल रही। मंत्री मोनिका पिरगल बिनायकिया ने बताया कि साधर्मिक महिलाओं को भी स्टाल उपलब्ध कराए गए ताकि वे उन्हें स्वाभिमान के साथ अपना व्यवसाय बढाने में मदद मिल सके। संयोजिका प्रतिमा जैन, सहसंयोजिका प्रिया गाँधी ने अपनी टीम के आयोजन को सफल बनाने में पूर्ण योगदान दिया। उपचेयर पर्सन बबीता रायसोनी व प्रभा गुलेच्छा, सहमंत्री संगीता पारेख, कार्यकारिणी टीम सदस्य साक्षी मेहता, निधि पालरेचा, राशि जैन, अर्पिता लधानी, उर्मिला जैन, ललिता नागोरी, लता बोहरा, इन्दु खिवसरा, सपना चोपडा, सविता पोरवाल, निशा टुकलिया, नंदा मेहता, अस्मिता चौहान, बिन्दु मेहता, पुष्पा गुलेच्छा, नीलम सांड, संगीता मालानी आदि ने सहयोग दिया ।

'दान में सबसे श्रेष्ठ है अभयदान'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के वर्धमान स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अक्कीपेट के तत्वावधान में स्थानक में विराजित साध्वी डॉ प्रतिभाश्रीजी म. सा. के सान्निध्य में पुच्छीसुणं का संपुट्ट जाप का आयोजन चल रहा है। महासती ने तेइसवीं गाथा का संपृष्ट जाप किया गया। जाप के बाद गाथा का विवेचन करते हुए साध्वी प्रतिभाश्रीजी ने कहा कि दान में श्रेष्ठ अभयदान है।

अभयदान अर्थात किसी भी प्राणी को मरण के भय से मुक्त करना, उसका जीवन बचाना। मेघ कुमार ने पूर्व भव में स्वयं मरणांतिक कष्ट सहन करके एक खरगोश को अभयदान दिया था। अपने विवाह प्रसंग पर बारातियों के भोजन के लिए एकत्रित किए हुए पशुओं को मुक्त करके तीर्थंकर अरिष्टनेमी ने पशुओं को अभयदान दिया था। ऐसे अनेक उदाहरण हमारे सामने भरे पड़े हैं। दान की महिमा अपरंपार है।

साध्वीश्री ने कहा कि सत्य वचन ही सर्वश्रेष्ठ वचन है। पर हमें हमेशा ऐसी वाणी बोलनी चाहिए और सत्य भी ऐसा बोलना चाहिए जिससे किसी को पीड़ा नहीं हो। सत्य तीनों काल में सर्वश्रेष्ठ, सर्वप्रिय व सर्वपूज्य था, है और रहेगा।

प्रभु परमात्मा मन, वचन और काया से सत्य से परिपूर्ण थे। तप में ब्रह्मचर्य तप सर्वश्रेष्ठ है। देवता भी ब्रह्मचारी के चरणों में नतमस्तक रहते हैं। आत्मा से परमात्मा रूपी नवनीत प्राप्त करने के लिए आत्मा को तपाना आवश्यक है। तप करने के लिए मानव शरीर सर्वोत्तम शरीर है।

जिस प्रकार दान में श्रेष्ठ अभयदान है, वचन में श्रेष्ठ सत्य वचन है, तप में श्रेष्ठ ब्रह्मचर्य तप है, उसी प्रकार इस लोक में ज्ञातपूत्र श्रमण भगवान महावीर उत्तम एवं सर्वश्रेष्ठ है। साध्वी प्रियंगीश्रीजी ने चातुर्मास संबंधी सूचनाएं प्रदान की। पुच्छीसुणं जाप के लाभार्थी पारसमल विनीतकुमार श्रीश्रीमाल परिवार एवं हनुमानचंद सिद्धार्थकुमार गणधर चोपड़ा परिवार थे। सहमंत्री कल्याण श्रीश्रीमाल ने संचालन किया।

तेरापंथ महिला विजयनगर ने किया कार्यशाला का आयोजन

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल विजयनगर द्वारा मुनिश्री दीपकुमारजी एवं काव्यकुमारजी के सान्निध्य में दि पावर का रीडिंग नामक कार्यशाला का आयोजन किया गया। अध्यक्ष मंजू गादिया ने सभी का स्वागत करते हुए स्वाध्याय के महत्व बताते हुए कार्यशाला की रूपरेखा प्रस्तुत की। मुनिश्री दीपकुमारजी ने कहा कि वर्तमान युग रीडिंग का युग है। इस प्रकार की कार्यशाला का मुख्य उद्देश्य है, गहराई से पढ़ने में रुझान जगाना। जीवन निर्माण के महत्वपूर्ण तत्वों में एक तत्व है पढ़ना, पढ़ो और आगे बढ़ो। हम जो भी पढ़ें व ज्ञान प्राप्त करें उसे आचरण में लाएं ,इसे मुनिश्री ने एक लघु कथा के माध्यम से समझाया। ज्ञान तभी सार्थक है जब व्यक्ति अपने भीतर विनम्रता के गुण का विकास करें। मुनिश्री ने पढ़ने के विभिन्न सूत्रों को छोटे-छोटे उदाहरण के माध्यम से समझाया। कार्यक्रम में लगभग 40 महिला सदस्याएं उपस्थित थी। कार्यक्रम का संचालन ललिता डागा एवं रश्मि सियाल ने धन्यवाद दिया।

'मातृछाया' के कैंसर जांच शिविर में लाभान्वित हुई 500 महिलाएं

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। स्थानीय 'मातृछाया' जैन महिला संगठन द्वारा वीवी पुरम स्थित संभवनाथ जैन भवन में दो दिवसीय कैंसर जांच शिविर का आयोजन किया गया जिसमें मुम्बई से आए कैंसर परीक्षण विशेषज्ञ डाक्टर नितीन जैन, जागृति नंदा आदि ने दो दिन में लगभग समाज की 400 महिलाओं एवं 103 जरुरतमंद महिलाओं की जांच की। एवं सिस्टर्स टीम मुम्बई से आयी। इस शिविर का विधायक डॉ उदय गरुड़ाचार्य, मेदनी गरुड़ाचार्य, राधा कोइली, पूर्व उपमेयर मंजुला नायडू, पूर्व पार्षद कविता जैन, इन्द्रकुमार नाहर सहित अनेक लोगों ने दौरा किया तथा संस्था के मानवसेवी कार्य की सराहना की। संस्था की

मंजु ओस्तवाल, बबीता श्रीश्रीमाल, रेणु गांधी, भारती सालेचा, मंगला खांटेड, गीता संचेत, ममता डोशी, मीना जैन, मधु सेठ, अर्चना शाह, सूरज किरण, ललिता नागोरी, मीना सोनीगरा, लीला भंसाली, पुष्पा तुलेच्छा वोहरा, राजकुमारी चंदावत, पवन मुथा, पुष्पा बाफना, पवनी गादिया, प्रभा गुलेच्छा ने व्यवस्था संभाली। संस्था की ओर से सभी अतिथियों व डाक्टरों का सम्मान किया गया। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने सभी को धन्यवाद दिया।

समारोह के दौरान लोगो जारी करते हुए मुख्यमंत्री एवं अन्य अतिथिगण।

कित्तूर महोत्सव ज्योति यात्रा को मुख्यमंत्री ने दिखाई हरी झंडी

कित्तूर में 23 से 25 अक्टूबर तक उत्सव

बेंगलूरु विधानसभा के समक्ष कित्तूर महोत्सव ज्योति यात्रा का हरी झंडी दिखाते हुए मुख्यमंत्री सिद्दरामैया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। विधानसभा के सामने चन्नम्मा कित्तूर उत्सव 2023 के हिस्से के रूप में बेलगाम जिला प्रशासन एवं कन्नड़ संस्कृति विभाग द्वारा आयोजित ज्योति यात्रा को मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने चन्नम्मा के कित्तूर महोत्सव का उद्घाटन किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम में अंग्रेजों के खिलाफ लड़ने वाली वीरांगनारानी चन्नम्मा युवाओं के लिए प्रेरणा है। हर किसी को इस देश और भूमि से प्यार करना चाहिए। यह प्रत्येक भारतीय की जिम्मेदारी है। कित्तूर रानी चन्नम्मा के वीरतापूर्ण आदर्श जीवन से युवाओं को अवगत कराने के लिए पहले जब मैं मुख्यमंत्री था तो मैंने कित्तूर रानी चन्नम्मा की जयंती मनाने का आदेश दिया था। उन्होंने कहा कि तब से लेकर अब तक सरकार द्वारा हर वर्ष यह जयंती मनाई जा रही है।

उन्होंने कहा कि हर कोई कित्तूर रानी चन्नम्मा नहीं हो सकती। हालाँकि, उनके साहस, साहसिकता, देशभक्ति और स्वाभिमान का उपयोग जीवन में किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि आगामी 23, 24 और 25 अक्टूबर को बेलगाम जिले के कित्तूर में चन्नम्मा कित्तूर उत्सव मनाया जा रहा है और कार्यक्रम की सफलता के लिए सभी को सहयोग करना चाहिए।

कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कित्तूर महोत्सव का लोगो मुख्यमंत्री ने जारी किया। इस मौके पर लोक निर्माण विभाग मंत्री सतीश जराकीहोली, मुख्यमंत्री के राजनीतिक सचिव गोविंदराजू, विधायक विनय कुलकर्णी, बाबा साहेब पाटिल, महंतेश कौजलगी, कन्नड़ और संस्कृति विभाग के निदेशक डॉ. के. धरणी देवी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे।

कमीशन के पैसे का संदेह पैदा होता है : कटील

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु।भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष नलिन कुमार कटील ने शुक्रवार को कहा कि बेंगलूरु में एक ठेकेदार के आवास में 42 करोड़ रुपये की बड़ी राशि की खोज ने संभावित भ्रष्टाचार पर चिंता बढ़ा दी है। कटील ने कहा कि आयकर अधिकारियों ने बेंगलूरु स्थित

ठेकेदार अंबिकापति के घर पर छापा मारा। कुछ दिन पहले ही सरकार ने 600 करोड़ रुपये की रकम जारी की थी और आशंका है कि ये पैसा कमीशनखोरी से जुड़ा हो सकता है।

उन्होंने आगे कहा कि सरकार राज्य में एटीएम की तरह काम कर रही है और कथित तौर पर तेलंगाना चुनाव के लिए धन इकट्ठा कर रही है। कुछ अधिकारियों ने पहले आयोगों के बारे में चिंता व्यक्त की थी, यहां तक कि राज्यपाल को भी सचेत किया था और चुनाव के दौरान इसे एटीएम सरकार के रूप में संदर्भित किया था।

उन्होंने सरकार पर व्यापक भ्रष्टाचार में लिप्त होने का भी आरोप लगाया और दावा किया कि यह रहस्योद्घाटन नैतिक प्रथाओं से प्रशासन के विचलन के प्रमाण के रूप में कार्य करता है। कतील ने अफसोस जताया कि उत्पीड़न के कारण दो ठेकेदार पहले ही अपनी जान ले चुके हैं। कटील ने स्पष्ट किया कि आयकर विभाग की कार्रवाई किसी बाहरी दबाव में नहीं की गई थी और ठेकेदार को धन जारी करने के बाद पैसा जब्त किया गया था।

'यशस्विनी' राइडर्स टीम का बेंगलूरु में अभिनंदन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। देश के 'नारी शक्ति' उत्सव के हिस्से के रूप में, 'केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल' (सीआरपीएफ) गत 5 अक्टूबर से देश के 3 कोनों कन्याकुमारी, श्रीनगर और शिलांग से 'सीआरपीएफ महिला बाइक यात्रा' का आयोजन कर रहा है।

75 बाइकर्स और बैक राइडर्स वाली यह यात्रा 15 राज्यों और 2 केंद्र शासित प्रदेशों के 121 जिलों से होकर गुजरेगी और लगभग 10000 किमी की दूरी तय करेगी। 'नारी शक्ति', 'बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ', एकता, अखंडता और महिला सशक्तिकरण का संदेश फैलाते हुए, यात्रा गुजरात के 'एकता नगर' में विश्व प्रसिद्ध एकता प्रतिमा के पास समाप्त होगी। यात्रा के

दौरान, घुड़सवारी दल छात्रों, महिला स्वयं सहायता समूहों, आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं, 'एनसीसी कैडेटों' और महिला उद्यमियों से मिलेंगे और बातचीत करेंगे। 'यशस्विनी' के नाम से जाने जाने वाले बाइकर्स हमारे राष्ट्रीय ध्वज और सीआरपीएफ ध्वज लेकर चलेंगे और सेना का 'देश के हम हैं रक्षक' का संदेश फैलाएंगे। कन्याकुमारी से एकता नगर तक, 25 बाइकर्स वाली 3 'यशस्विनी' टीमों ने तिरुवनंतपुरम, मदुरै, पांडिचेरी, अवाडी, वेल्लोर, कृष्णागिरी और होसुर से गुजरते हुए लगभग 1250 किलोमीटर की दूरी तय की और 12 अक्टूबर को शाम को सीआरपीएफ बेंगलूरु ग्रुप सेंटर पहुंची। 13 अक्टूबर को कर्नाटक राज्य महिला एवं बाल विकास विभाग ने महिला बाइक यात्रा टीम को सम्मानित किया।

बेंगलूरु अग्नि दुर्घटना में अस्पताल के खिलाफ प्राथमिकी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक की राजधानी बेंगलूरु के समीप अट्टीबेले में पटाखा दुकान में आग लगने की घटना में पीड़ित के परिवार के सदस्य ने कथित तौर पर पैसे मांगने के आरोप में सेंट जॉन्स अस्पताल और एक डॉक्टर के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक सेंट जॉन्स हॉस्पिटल और डॉक्टर सागर के खिलाफ कोरमंगला थाने में प्राथमिकी दर्ज की गई है।

आरोपियों के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 384 (जबरन वसूली) के तहत मामला दर्ज किया गया है और जांच जारी है। घटना में बुरी तरह झुलसे वेंकटेश ने गुरुवार को अस्पताल में दम तोड़ दिया था तथा उसके परिवार ने अस्पताल और डॉ. सागर के खिलाफ कार्रवाई की मांग करते हुए उसका शव लेने से इनकार कर दिया था। बेंगलूरु के डिप्टी कमिश्नर केए दयानंद के हस्तक्षेप के बाद उन्होंने अपनी मांग वापस ले ली।

मृतक के परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया कि सरकार द्वारा खर्च वहन करने के आश्वासन के बावजूद अस्पताल ने उन्हें पैसे देने के लिए मजबूर किया। गर्वेभाविपाल्या निवासी वेंकटेश अपने दोस्त के जन्मदिन समारोह के लिए पटाखे खरीदने दुकान पर गया था । इसी दौरान वह गंभीर रूप से झुलस गया था।

उसका शहर के सेंट जॉन्स अस्पताल में इलाज चल रहा था।

इससे पहले बुधवार शाम को तमिलनाडु के रहने वाले दिनेश (19) नाम के शख्स ने विक्टोरिया अस्पताल में दम तोड़ दिया। वह पटाखे की दुकान पर काम कर रहा था। गौरतलब है कि अत्तीबेले में पटाखे की दुकान में आग लगने की घटना में मरने वालों की संख्या बढ़कर 16 हो गई है।

वरिष्ठ पत्रकार सच्चिदानंद मूर्ति का निधन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। 'द वीक' पत्रिका और दैनिक समाचारपत्र 'मलयाला मनोरमा' के पूर्व दिल्ली रेजिडेंट संपादक के रूप में काम कर चुके

वरिष्ठ पत्रकार के एस सच्चिदानंद मूर्ति का शुक्रवार को निधन हो गया। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सच्चिदानंद मूर्ति ने यहां एक निजी अस्पताल में अंतिम सांस ली। सूत्रों के मुताबिक एस सच्चिदानंद मूर्ति (68) की हाल ही में फेफड़े की प्रत्यारोपण सर्जरी हुई थी और वह पिछले कुछ दिनों से जीवन रक्षक प्रणाली पर थे।

उन्होंने बताया कि दोस्तों और मीडिया जगत में 'सची' के नाम से लोकप्रिय सच्चिदानंद मूर्ति के परिवार में पत्नी और दो बेटे हैं। उनका परिवार मूल रूप से कर्नाटक में कोलार जिले के अष्टग्राम गांव से है। पत्रिका की वेबसाइट के मुताबिक एस सच्चिदानंद मूर्ति ने नवंबर 1982 में 'द वीक' में बैंगलोर संवाददाता के रूप में काम शुरू किया था और सितंबर 2022 में अपनी सेवानिवृत्ति तक वह मलयाला मनोरमा समूह के साथ रहे। फरवरी 1989 में वह बेंगलूरु में पत्रिका के विशेष संवाददाता बन गए, और इसके बाद अप्रैल 1990 में राष्ट्रीय राजधानी ब्यूरो के प्रमुख के रूप में उन्हें दिल्ली भेजा गया। 'द वीक' के अनुसार, अप्रैल 2000 में उन्हें रेजिडेंट संपादक नियुक्त किया गया था।

कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने एस सच्चिदानंद मूर्ति के निधन पर दुख व्यक्त करते हुए उन्हें अपना प्रिय मित्र और शुभचिंतक बताया।

बेंगलूरु में ठेकेदार के परिसरों पर आयकर विभाग की तलाशी में करोड़ों रुपये की नकदी मिली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। आयकर अधिकारियों ने शहर के एक ठेकेदार से जुड़े परिसरों पर तलाशी के दौरान कई डिब्बों में रखी नकदी बरामद की है। आधिकारिक सूत्रों ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि कुछ अन्य ठेकेदारों के परिसरों पर भी इस तरह की तलाशी जारी है।

भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेता और पूर्व उप मुख्यमंत्री सी.एन. अश्वथ नारायण ने राज्य की कांग्रेस सरकार पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि यह पैसा पांच राज्यों में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए धन जुटाने के वास्ते कमीशन के रूप में ठेकेदारों से इकट्ठा किया गया है। उन्होंने कहा कि इससे कांग्रेस सरकार के खिलाफ आरोप सबूतों के साथ साबित होते हैं। नारायण ने कहा कि यह तो वसूली की छोटी सी खेप है और ऐसी कई खेप मिल सकती हैं। नारायण ने अन्य ठेकेदारों से अपील की कि उन्होंने कथित रूप से जो धन दिया है, उसके बारे में खुलकर बताएं।

भाजपा नेता और विधान परिषद सदस्य रवि कुमार ने संवाददाताओं से बातचीत में दावा किया कि ठेकेदार की संपत्ति से जब्त नकदी 42 करोड़ रुपये मूल्य की है और 500 रुपये के नोटों में है जिन्हें 23 डिब्बों में रखा गया था।

उन्होंने कहा कि शहर में इस तरह की अटकलें चल रही हैं कि यह पैसा तेलंगाना चुनाव के लिए जमा किया गया है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि यह सरकार से ठेकेदारों के लंबित 650 करोड़ रुपये के भुगतान के लिए 'कमीशन' के रूप में प्राप्त धन था। रवि कुमार ने इसकी जांच की मांग की। भाजपा के कई अन्य नेताओं ने भी सत्तारूढ़ कांग्रेस के खिलाफ इस तरह के आरोप लगाये हैं।

मुख्यमंत्री सिद्दरामैया ने आरोपों को बेबुनियाद बताकर खारिज कर दिया और कहा कि कांग्रेस की कोई प्रदेश इकाई पैसे नहीं मांगेगी और क्या भाजपा के सदस्यों ने यह देखा है। आयकर विभाग के छापों पर उप मुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा, 'आयकर वाले बिना राजनीति के नहीं आएंगे। राजनीति हो रही है। हमें यह भी पता है कि चंडीगढ़, तेलंगाना और अन्य राज्यों में क्या हो रहा है। जहां भाजपा सत्ता में है, कुछ नहीं होगा। जहां भाजपा सत्ता में नहीं है, वहीं इस तरह की चीजें होती हैं।''

आमंत्रण

मैसूरु जिला मंत्री डॉ. एचसी महादेवप्पा ने दशहरा समिति के सदस्यों के साथ शुक्रवार को मैसूर पैलेस में दशहरा उत्सव के लिए पूर्व मैसूर शाही परिवार की प्रमोदा देवी वाडियार को दशहरा महोत्सव के लिए आमंत्रण दिया।

पंचमसाली लिंगायतों के लिए 2ए आरक्षण की मांग को लेकर आंदोलन

हुबल्ली। लिंगायत पंचमसाली समुदाय के सदस्यों ने समुदाय के लिए 2ए श्रेणी आरक्षण की मांग करते हुए इष्टलिंग पूजा संघर्ष शुरू किया। कुंडागोला विधायक एम.आर. पाटिल ने कित्तूर चेन्नम्मा और संगोली रायन्ना की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का उद्घाटन किया। रैली बांकापुरा चौक से गब्बर सर्कल तक जाएगी, जहां आरक्षण की मांग पर जोर दिया जाएगा। सभा को संबोधित करते हुए, कूडलसंगम पंचमसाली पीठ के बसवजय मृत्युंजय स्वामीजी ने कहा कि जिला स्तर पर इष्टलिंग पूजा के माध्यम से अधिकार मांगे जा रहे हैं। यह संघर्ष एक जिले तक ही सीमित नहीं है, बल्कि समुदाय की मांगें पूरी होने तक सभी जिलों में गूंजेगा।

हिंदू लड़की और दो मुस्लिम लड़कों के साथ होने पर स्थानीय लोगों की मोरल पुलिसिंग

दक्षिण कन्नड़। सिद्दरामैया सरकार की सख्त चेतावनी और एक विशेष विंग की स्थापना के बावजूद सांप्रदायिक रूप से संवेदनशील दक्षिण कन्नड़ जिले से मोरल पुलिसिंग का एक मामला सामने आया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। यह घटना गुरुवार को मंगलूरु शहर के पास बंटवाल तालुक में पेरुवयी के पास हुई। स्थानीय लोगों ने दो मुस्लिम लड़कों से पूछताछ की जो बस स्टॉप पर एक हिंदू लड़की के साथ खड़े थे। स्थानीय लोगों ने तीनों को देखा और उन्हें लड़कों की गतिविधियों पर संदेह हुआ। पुलिस ने कहा कि वे कुड्डुपदावु से बस में आए थे और केरल के कासरगोड में उप्पला जाने का इंतजार कर रहे थे। स्थानीय लोगों ने उनसे पूछताछ की और उनका वीडियो बना लिया।

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना: सं. L4231165
बोली खुलने की दिनांक: 27.10.2023
अधोहस्ताक्षरी, भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं:

कार्य का नाम	अनुमानित मूल्य
भारतीय रेलवे के माल स्टॉक में उपयोग के लिए एएआर अनुमोदित अपग्रेडेड कैट्रिज टेपर रोलर बेयरिंग क्लास 'ई' (6x11) कम्पलीट। अगस्त 2018 का या नवीनतम संशोधन, यदि कोई हो की भारतीय रेलवे एसटीआर सं. AB/RB-40-2016 (Rev.1)।	रू. 37,27,459.40

बोली जमा करने की अंतिम तिथि:
27.10.2023 की 10:00 बजे तक।
विवरण के लिए लॉग ऑन करें: www.ireps.gov.in
उप मुख्य सामग्री प्रबंधक/जीएसडी/हुब्बल्ली
PUB/438/AAV/PRB/SWR/2023-24
S.W.Railways SWRRLY SWRRLY

दक्षिण पश्चिम रेलवे
निविदा सूचना सं. 38/MYS/2023
दिनांक: 09.10.2023
अधोहस्ताक्षरी, भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदा आमंत्रित करते हैं:

क्र	कार्यों का नाम	अनुमानित मूल्य
1	दक्षिण पश्चिम रेलवे में मैसूरु डिवीजन के सकलेशपुर-सुब्रमण्य रोड घाट खंड में पांच पुलों के लिए प्रत्येक एक स्पैन का उपकरण और स्थिति की निगरानी (पुल संख्या 142@कि.मी.47/ 900-48 / 100 (3x30.5 मी), पुल संख्या 183@कि.मी.56/ 200-300 (2x12.19 मी), 186@कि.मी.56 / 700-800 (1x9 .15मी), 190 @कि.मी.57/000-100 (1x12.19मी+1x9.15मी+ 1x18.29मी) और 326 @ कि.मी.88/ 650-800 (1x18.29मी+1x24.40मी+1x12.19मी+ 1x30.50 मी)	रू. 2,00,00,000/-
2	सुब्रमण्य रोड:- रनिंग रूम की छत, महिला कर्मचारियों के लिए कक्ष, सीएलआई कक्ष, कैबिनेट के साथ रसोई, नाली और कंपाउंड की दीवार आदि में सुधार।	रू. 59,77,291/-
3	उप कार्य-I:- हासन- मंगलुरु सेंट्रल सेक्शन: बाल्लूपेटे और सकलेशपुर स्टेशनों के बीच। किमी 27/900-28/000 पर ब्रिज नंबर 84 (मौजूदा 1 x 4.57 मीटर आरसीसी स्लैब) मौजूदा आरसीसी स्लैब को पीएससी स्लैब से 25टी एक्सल लोडिंग-2008 में बदलने का प्रस्ताव। उप कार्य- II:- हासन- मंगलुरु जंक्शन खंड: येडमंगल और नरिमोगरू स्टेशनों के बीच किमी.114/200-300 पर पुल संख्या 419 (2 x 1.22 मीटर- आरसीसी पाइप) का पुनर्सुधार/मरम्मत।	रू. 2,21,10,374/-
4	मैसूरु-होलेनरसीपुर खंड:- पिचिंग, फ्लोरिंग, ड्रॉप वॉल, स्टेप्स, बलास्ट रिटेनर आदि प्रदान करके किमी.40.000 से किमी.86.400 तक पुलों को मजबूत करना (कुल 80 पुलों की संख्या)।	रू. 97,94,359/-
5	हरिहर-करजगी अनुभाग: कि.मी. 384/500 से कि.मी. 385/600, कि.मी. 386/200-388/250 तक. कि.मी. 388/800 से कि.मी. 389/200, कि.मी. 395/00-398/050, कि.मी. 398/400-500 तक एवं कि.मी. 363/00 से किमी. 367/00 तक (आप) कुल लंबाई 10.70 कि.मी. के लिए जिओ टेक्सटाइल और जिओ ग्रिड (2 परतों) के साथ ब्रर्केकिंग के साथ ब्याड फार्मेशन का थ्रू फार्मेशन ट्रीटमेंट।	रू. 16,29,48,841/-
6	दो वर्षों के लिए सीनियर सेक्शन इंजीनियर/बीआर/सकलेशपुर क्षेत्राधिकार के अंतर्गत हासन-मंगलुरु जंक्शन खंड (सकलेशपुर-सुब्रमण्य घाट खंड सहित) के बीच गर्डर पुलों की विशेष मरम्मत।	रू. 75,17,690/-

बोली जमा करने की अंतिम तिथि:
31.10.2023 की 11:00 बजे तक।
विवरण के लिए लॉग ऑन करें: www.ireps.gov.in
वरिष्ठ मंडल अभियंता / को-आर्ड
मैसूरू
PUB/439/AAV/PRB/SWR/2023-24
S.W.Railways SWRRLY SWRRLY

विरोध प्रदर्शन

कुरुबुरु शांताकुमार के नेतृत्व में कर्नाटक जल संरक्षण समिति के सदस्यों ने तमिलनाडु को कावेरी जल छोड़े जाने के खिलाफ शुक्रवार को बेंगलूरु के फ्रीडम पार्क में उरुलु सेवा करके विरोध प्रदर्शन किया।

बलात्कार के आरोप में डेंटिस्ट गिरफ्तार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

हावेरी। कर्नाटक पुलिस ने एक दंत चिकित्सक को साथ काम करने वाली नर्स का बलात्कार करने के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक 24 वर्षीय नर्स डेंटल अस्पताल में काम करती थी। वह आरोपी डॉ. विजय कुमार की सहकर्मी थी। शिकायत में महिला ने कहा कि उन्हें प्यार हो गया था और वे रिलेशनशिप में आ गए। महिला ने आरोप लगाया कि आरोपी ने शादी के बहाने उसे तीन बार गर्भवती किया, लेकिन बाद में अपने वादे से मुकर गया। तब महिला ने पुलिस से संपर्क किया। इस बीच आरोपी ने एक लाख रुपये मुआवजा देकर समझौते का प्रयास किया था। हालांकि पीड़िता ने उन्हें चुनौती दी कि वह मेडिकल टेस्ट के लिए तैयार है और आरोपी को गिरफ्तार किया जाना चाहिए। यह घटना राणेबेन्नूर पुलिस स्टेशन की सीमा में हुई और पुलिस ने डॉक्टर की शिकायत के आधार पर महिला के खिलाफ हनी ट्रैप का मामला भी दर्ज किया है। इसके बाद पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और दोनों के खिलाफ मामले की जांच कर रही है।

फिलिस्तीन के समर्थन में भड़काऊ नारा पोस्ट करने पर एक गिरफ्तार

विजयनगर। कर्नाटक की पुलिस ने फिलिस्तीन के समर्थन में व्हाट्सएप पर कथित तौर पर भड़काऊ नारा पोस्ट करने के आरोप में एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक आरोपी की पहचान होसपेट जिला निवासी 20 वर्षीय युवक आलम बाशा के रूप में हुई है। उसे गुरुवार रात गिरफ्तार कर लिया गया। उसने व्हाट्सएप पर फिलिस्तीन जिंदाबाद नारा पोस्ट किया था। सोशल मीडिया पर कुछ यूजर्स ने उसकी तस्वीर साझा की थी। उन्होंने बताया कि बाशा के खिलाफ भारतीय दंड संहिता (सीआरपीसी) की धारा 108 और 151 के तहत मामला दर्ज किया गया है।

शिल्प मेला

शुक्रवार को बेंगलूरु में चित्रकला परिषद में भारतीय शिल्प मेले का उद्घाटन अभिनेत्री प्रियंका अरोड़ा ने किया।

ठेकेदारों ने आंदोलन की चेतावनी दी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक राज्य ठेकेदार प्राधिकरण के अध्यक्ष डी. केंपन्ना ने पूर्ण हो चुके कार्यों से संबंधित बकाया का भुगतान करने का सरकार से अनुरोध किया। साथ ही इस संबंध में 30 दिन में कोई आवश्यक कदम नहीं उठाये जाने पर आंदोलन की चेतावनी दी। उन्होंने कहा कि बकाया की कम से कम 50 प्रतिशत राशि तुरंत जारी की जानी चाहिए। केंपन्ना ने आरोप लगाया कि चुनिंदा ठेकेदारों के बिलों का भुगतान किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, सरकार की ओर से कोई उचित भुगतान नहीं किया गया है। बहुत कम भुगतान किया हुआ है। हमने मुख्यमंत्री को चार बार पत्र लिखकर बकाया राशि के भुगतान का अनुरोध किया है, लेकिन कुछ नहीं हुआ। ठेकेदार संकट में हैं। केंपन्ना ने यहां पत्रकारों से बात करते हुए सरकार से जल्द से जल्द बकाया राशि के भुगतान का आग्रह किया।

उन्होंने बताया कि कुछ ठेकेदारों ने आत्महत्या करने का भी प्रयास किया था क्योंकि उन्हें काफी समय से लंबित भुगतान नहीं मिला है। केंपन्ना ने कहा, अगर सरकार इस संबंध में तत्काल कार्रवाई नहीं करती, तो हमारी कार्यकारिणी आगे की कार्रवाई पर फैसला करेगी... हम पहले मुख्यमंत्री से मिलकर उनसे अनुरोध करने का प्रयास करेंगे। 30 दिन में कार्रवाई नहीं तो आंदोलन करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि राज्य में ठेकेदारों की हालत किसानों से भी बदतर है। उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार ने एसोसिएशन की मांगों के जवाब में कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नेतृत्व वाली पिछली सरकार द्वारा दिए गए ठेकों की जांच जारी होने के बावजूद, सरकार ने केंपन्ना व अन्य ठेकेदारों के अनुरोधों के आधार पर प्राथमिकता के अनुसार 65-70 प्रतिशत बिलों के भुगतान को मंजूरी दी है। उन्होंने कहा, ठेकेदारों को चिंता करने की कोई जरूरत नहीं है।

गहलोत ने आरपीएससी सदस्य के पुराने बयानों को निंदनीय बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के एक नवनियुक्त सदस्य के पुराने बयानों की निंदा करते हुए इसे पीड़ादायक बताया है। उल्लेखनीय है कि सरकार ने सोमवार को विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा से कुछ देर पहले ही राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) में तीन सदस्यों की नियुक्ति का आदेश जारी किया। इनमें से एक केसरी सिंह के कुछ पुराने बयानों के वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए हैं, इसमें उनकी बातों को एक जाति विशेष के खिलाफ बताया जा रहा है।

गहलोत ने इस बारे में शुक्रवार को सोशल मीडिया पर एक बयान जारी करके कहा, कर्नल केसरी सिंह की नियुक्ति के बाद सोशल मीडिया पर उनके कुछ बयान वायरल हुए हैं, जो जाति विशेष और व्यक्ति विशेष को लेकर दिए गए हैं जो निंदनीय, पीड़ादायक एवं दुर्भाग्यपूर्ण हैं। उनकी टिप्पणियों से मुझे भी बेहद दुख पहुंचा है।

गहलोत ने कहा कि राज्य सरकार ने उनकी सैन्य पृष्ठभूमि को देखते हुए उनकी नियुक्ति की सिफारिश की थी। गहलोत ने लिखा है, सेना में रहे किसी भी व्यक्ति से जाति, धर्म, वर्ग इत्यादि से ऊपर उठकर देशसेवा की उम्मीद की जाती है। सैनिक देश की सीमाओं की रक्षा के लिए अपनी जान तक न्योछावर कर देते हैं। इसलिए उनका समाज में सम्मान होता है।

मुख्यमंत्री गहलोत के अनुसार राज्य सरकार ने हाल ही में राजस्थान अधीनस्थ सेवा बोर्ड (आरएसएसबी) के अध्यक्ष के रूप में मेजर जनरल आलोक राज एवं आरपीएससी में सदस्य के रूप में कर्नल केसरी सिंह की नियुक्ति की सिफारिश की थी। उन्होंने कहा कि इन दोनों ने ना तो आवेदन किया था और ना ही इनकी कोई सिफारिश आई, इनकी 37 साल और 20 साल की सैन्य सेवाओं को देखते हुए इनको नियुक्त किया गया।

गहलोत ने लिखा, एक तरफ हमारी सरकार ने तीन लाख भर्ती निकालने का ऐतिहासिक कार्य किया जो शायद देश में सर्वाधिक है और दूसरी तरफ पेपर लीक की कुछ घटनाएं सामने आईं (अधिकांश राज्यों में ऐसी ही स्थिति बनी हुई है, सेना और न्यायपालिका तक में पेपर लीक हो गए)। ये सोचकर सरकार ने प्रयास किया कि सैन्य पृष्ठभूमि के अधिकारियों को राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) एवं राजस्थान अधीनस्थ सेवा बोर्ड (आरएसएसबी) जैसी संस्थाओं में स्थान दिया जाए, जिससे इन संस्थाओं की विश्वसनीयता कायम रहे।

राजस्थान में पेपर लीक मामले में ईडी ने कांग्रेस नेताओं के सहयोगियों के घरों व दफ्तरों पर की छापेमारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। पेपर लीक मामले में ईडी की टीमों ने शुक्रवार को सुबह वरिष्ठ कांग्रेस नेताओं के करीबी लोगों के घरों और कार्यालयों पर छापेमारी शुरू कर दी। अधिकारियों ने कहा कि ईडी की टीमें जयपुर और डूंगरपुर में दिनेश खोदानिया के आवासों और कार्यालयों की तलाशी ले रही हैं। स्पर्धा चौधरी और अशोक जैन के जयपुर, जोधपुर और डूंगरपुर में नौ अन्य ठिकानों पर भी छापेमारी चल रही है।

दिनेश खोड़निया को मुख्यमंत्री अशोक गहलोत का करीबी बताया जाता है और स्पर्धा चौधरी पेपर लीक मामले में फरार चल रहे सुरेश ढाका की दोस्त हैं। अशोक जैन एक कांग्रेस नेता के करीबी भी बताए जाते हैं। ईडी सूत्रों के मुताबिक आरपीएससी सदस्य बाबूलाल कटारा और पेपर लीक मामले के मास्टरमाइंड भूपेन्द्र सारण को हाल ही में ईडी ने रिमांड पर लिया था।

बाबूलाल कटारा ने पूछताछ के दौरान कुछ अन्य लोगों के बारे में ईडी को जानकारी दी थी और इसके बाद ईडी ने भूपेन्द्र सारण को तीन दिन की रिमांड पर लिया था और उनसे पूछताछ की थी। बाबूलाल कटारा और भूपेन्द्र सारण द्वारा दी गई जानकारी ईडी के दिल्ली कार्यालय भेजी गई, जहां एक टीम ने दिनेश खोदानिया, अशोक जैन और स्पर्धा चौधरी की जांच शुरू की। सप्ताह भर चली जांच के दौरान उनके बैंक विवरण, पृष्ठभूमि, संपर्क और आगामी विधानसभा चुनाव में भूमिका की जांच की गई। इसके अलावा सिविल लाइंस में कई वरिष्ठ नेताओं के संपर्कों की भी जानकारी ईडी को मिली है. इसके बाद दिल्ली और गुजरात से टीमें जयपुर में छापेमारी के लिए भेजी गईं।

मुलाकात

जयपुर में शुक्रवार को अपने निवास पर आए भाजपा कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि और आमजन से मुलाकात करते भाजपा प्रदेश अधयक्ष सीपी जोशी।

अलवर में चुनाव के लिए 6000 पुलिस जवानों की है जरूरत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान के अलवर जिले में विधानसभा चुनाव कराने के लिए करीब 6000 जवानों की जरूरत रहेगी। अलवर में 51 कंपनियां पैरामिलेक्ट्री फोर्सेज की मांग की गई है। जिला पुलिस अधीक्षक आनंद शर्मा ने बताया कि अलवर में फिलहाल 1750 पुलिसकर्मियों की नफरी है और चुनाव में ज्यादा फोर्स की जरूरत पड़ती है। अतिरिक्त फोर्स की मांग की गई है। जहां बाहर की फोर्स ,होमगार्ड, पैरामिलिट्री फोर्सेस,

आरएसी जवानो की टुकड़ियां चुनाव में आएंगी।

उन्होंने बताया कि विधानसभा चुनाव को लेकर काफी मशक्कत चल रही है क्योंकि अभी हाल में ही अलवर जिले को तीन हिस्सों में बांटकर अलवर, खैरथल- तिजारा और कोटपूतली- बहरोड जिला बनाया गया है लेकिन निर्वाचन का कार्य इन जिलों में अलवर जिला कलेक्टर और अलवर जिला पुलिस अधीक्षक ही संभालेंगे जबकि नए बने जिलों में भी एसपी और कलेक्टर नियुक्त कर दिए गए हैं।

उन्होंने बताया विगत तीन दिनों में 2000 लोगों को विभिन्न धाराओं में पाबंद किया गया है जो अशांति फैला सकते हैं। हरियाणा के नूह की घटना के बाद अलवर जिले के मेवात में संवेदनशीलता बढ़ी है। ऐसे में अलवर पुलिस ने 108 सीआरपीसी में 410 लोगों को चिन्हित किया है जो सांप्रदायिक सौहार्द का माहौल बिगाड़ सकते हैं।

भाजपा ने विधानसभा चुनाव की पूरी तैयारी कर ली है : लखावत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अलवर। राजस्थान में भारतीय जनता पार्टी भाजपा के वरिष्ठ नेता ओंकार सिंह लखावत ने कहा कि पार्टी ने राज्य में विधानसभा चुनाव की पूरी तैयारी एवं परीक्षण कर लिया गया है। एक दिवसीय दौरे पर अलवर पहुंचे राजस्थान विरासत एवं संरक्षण प्राधिकरण के पूर्व अध्यक्ष लखावत आज यहां मीडिया से बातचीत कर रहे थे।

उन्होंने कहा कि भाजपा ने मतदान स्थल से लेकर विधानसभा क्षेत्र कार्यकर्ताओं से जनसंपर्क तक पूरी तैयारी कर ली गई है।

अब पार्टी अपना घोषणा पत्र तैयार कर रही है जिसमें राजस्थान के सभी लोगों से अपने सुझाव मांगे गए हैं कि वह किस तरीके का राजस्थान चाहते हैं।

उन्होंने कहा कि यह घोषणा पत्र आमजन का होगा इआरसीपी के मुद्दे पर कांग्रेस द्वारा यात्रा निकालने के सवाल पर उन्होंने कहा कि यह लोकतंत्र है और हर

ओंकार सिंह लखावत

राजनीतिक पार्टी को यात्रा निकालना चाहिए। अपनी बात जनता तक पहुंचाने का उसको अधिकार है। उन्होंने यह भी कहा कि यह विफलता की यात्रा निकालना चाहते हैं और अंतिम यात्रा है।

लखावत ने अलवर में पार्टी द्वारा आयोजित जिला चुनाव प्रबंधन समिति एवं विधानसभा चुनाव प्रबंधन समितियो की कार्यशाला में मुख्य वक्ता के रूप में संबोधित किया। इस दौरान जिला अध्यक्ष अशोक गुप्ता पूर्व विधायक हेम सिंह भड़ाना पूर्व विधायक जयराम जाटव शहर विधायक संजय शर्मा सहित अन्य भाजपा नेता मौजूद रहे।

14 लाख रूपये की कीमत की अवैध शराब बरामद

अलवर। राजस्थान में अलवर जिले में अवैध शराब बिक्री की रोकथाम एवं धरपकड अभियान के तहत अलग-अलग कार्यवाही में 3022 लीटर अंग्रेजी एवं देशी शराब बरामद की है। बरामद शराब की अनुमानित कीमत करीब 14 लाख रूपये है। गोविंदगढ़ थानाधिकारी हितेश शर्मा ने बताया कि पुलिस टीम द्वारा सैमला रोड रामबास पर एक दुकान में आरोपी शेरू उर्फ शैलेन्द्र सिंह को गिरफ्तार किया गया। उसके कब्जे से अलग अलग ब्रांड कब्जे से भारी मात्रा में अलग अलग ब्रांड की करीब 822 लीटर देशी एवं अंग्रेजी अवैध शराब बरामद। जिसकी अनुमानित कीमत करीब छह लाख रुपये है। बिक्री की नगद राशि 24,300 रुपये जप्त की गई।

नारी शक्ति का जश्न मनाने के लिए 'यशस्विनी' नामक सीआरपीएफ महिला बाइकर्स की रैली

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। बालिकाओं के महत्व पर जागरूकता फैलाने और नारी शक्ति का जश्न मनाने के लिए ''यशस्विनी'' नामक सीआरपीएफ महिला बाइकर्स की रैली का आयोजन महिला एवं बाल विकास मंत्रालय, भारत सरकार एवं सीआरपीएफ के तत्वावधान में श्रीनगर से लेकर कन्याकुमारी तक किया जा रहा है। यह रैली 5 अक्टूबर 2023 को श्रीनगर से प्रारम्भ हो चुकी है जो 31 अक्टूबर 2023 तक रहेगी। इस दौरान यह रैली भारत के विभिन्न राज्यों से होकर गुजरेगी। यह रैली 21से 24 अक्टूबर 2023 के बीच राजस्थान के विभिन्न जिलों से गुजरेगी। राजस्थान के जिलों में बाईक रैली के प्रवेश के दौरान विभिन्न कार्यक्रमों के आयोजन एवं बाईक रैली के सुगम क्रियान्वयन के संबंध में आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने हेतु जितेन्द्र उपाध्याय, शासन सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग की अध्यक्षता में शुक्रवार को शासन सचिवालय, जयपुर में बैठक आयोजित की गई।

इस बैठक में सीआरपीएफ के राजस्थान सेक्टर के पुलिस महानिरीक्षक विक्रम सहगल, कमाण्डेंट पूनम गुप्ता, आयुक्त महिला अधिकारिता रश्मि गुप्ता, निदेशक, समेकित बाल विकास सेवाएं रामावतार मीणा, पुलिस उपायुक्त प्रहलाद कृष्णिया एवं जिला प्रशासन की ओर से अबू सूफियान, अतिरिक्त जिला कलेक्टर आदि उपस्थित रहे। बैठक में राजस्थान में इस रैली के सफल आयोजन बाबत समुचित प्रबन्धन हेतु उचित निर्णय लिये गये। बैठक में बताया गया कि 21 अक्टूबर 2023 को राजस्थान की बॉर्डर अलवर जिले की सीमा पर रैली का महिला अधिकारिता विभाग एवं सीआरपीएफ के अधिकारियों द्वारा स्वागत किया जाएगा। तत्पश्चात आनन्द इन्टरनेशनल स्कूल, कानोता, जयपुर में स्वागत सत्कार एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा।

बैठक में बताया कि 22 अक्टूबर को अल्बर्ट हॉल पर इस रैली का स्वागत करते हुए राज्यपाल के आतिथ्य में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। 22 अक्टूबर को आना सागर झील, अजमेर में सीआरपीएफ बाईक रैली का कार्यक्रम होगा तथा 23 अक्टूबर 2023 को अजमेर से रवाना होकर बाईक रैली उदयपुर पहुंचेगी। 24 अक्टूबर 2023 को रैली के स्वागत में उदयपुर में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा एवं इनका विदेशी पर्यटको से संवाद भी करवाया जाएगा। राजस्थानी संस्कृति के अनुरूप इस रैली के स्वागत में विभिन्न स्थानों पर स्वागत एवं अन्य कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। महिला अधिकारिता, सीआरपीएफ एवं जिला प्रशासन के सहयोग से राजस्थान के अलवर, जयपुर, अजमेर, राजसमन्द एवं उदयपुर में विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा।

जवाहर कला केन्द्र में तीन दिवसीय शरद रंग महोत्सव की हुई शुरूआत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर । अतिरिक्त मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य, शुभ्रा सिंह ने कहा कि डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान कला एवं संस्कृति को राष्ट्रीय एवं अर्न्तराष्ट्रीय स्तर पर पहचान देने का कार्य कर रहा है ताकि राजस्थानी कला एवं संस्कृति का मौलिक स्वरूप में बना रहे। काउंसिल ने कुछ समय में अच्छी पहल कर राजस्थान डेल्फिक खेलों के आयोजन से कला एवं संस्कृति के संरक्षण की दिशा में महत्वपूर्ण कार्य किया है। उन्होंने कहा कि विषम भौगोलिक परिस्थितियों के बावजूद राजस्थान कला एवं संस्कृति के क्षेत्र में विश्व में अपनी एक अलग पहचान रखता है।

शुभ्रा सिंह शुक्रवार को जवाहर कला केन्द्र में तीन दिवसीय शरद रंग महोत्सव के उद्घाटन कार्यक्रम को संबोधित कर रही थी। उन्होंने कहा कि मसूरी में ट्रेनिग के दौरान यह सिखाया जाता था कि सरकारी सेवा के दौरान अलग-अलग स्थानों पर पदस्थापन के दौरान कार्य की व्यस्तता रहती है, ऐसे में अपनी हॉबी को बनाए रखे। इसके लिए समय जरूर निकाले। उन्होंने कहा कि राजस्थान की संस्कृति जीवन शैली में घुली मिली है और उसे आगे बढ़ाने के लिए डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान युवाओं को बेहतर मंच प्रदान कर रहा है।

प्रमुख शासन सचिव सहकारिता एवं डेल्फिक काउंसिल ऑफ राजस्थान की अध्यक्ष श्रेया गुहा ने काउंसिल का परिचय देते हुए काउंसिल द्वारा किए गए आयोजनों एवं गतिविधियों के बारे में बताया। प्रसिद्ध वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफर एवं पीसीसीएफ (प्रशासन) अरिजीत बनर्जी ने इस मौके पर कहा कि डेल्फिक की गतिविधियां रोचक एवं प्रेरणादायी है। उन्होंने कहा कि फोटोग्राफी कला एवं विज्ञान का मेल है।

इस मौके पर अतिथियों ने काउंसिल की ई-बुक का लांच किया। काउंसिल के महासचिव एवं निदेशक राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन जितेन्द्र सोनी ने सभी अतिथियों एवं प्रतिभागियों को धन्यवाद दिया। उतर क्षेत्र सांस्कृतिक केन्द्र पटियाला के निदेशक फुरकान खान ने तीन दिवसीय कार्यशाला के बारे में अवगत कराया। इस अवसर अतिरिक्त महानिदेशक जवाहर कला केन्द्र प्रियंका जोधावत, उपायुक्त जेडीए शिप्रा शर्मा से अन्य गणमान्य नागरिक उपस्थित थे। जवाहर कला केंद्र के रंगायन में 14 अक्टूबर को सांय 7 बजे दिल्ली के प्रसिद्ध नृत्य गुरु और कोरियोग्राफर संतोष नायर की नृत्य नाटिका मिस्टिकल फॉरेस्ट का मंचन होगा।

सांसद किरोड़ी लाल मीणा ने लॉकरों में काला धन होने का आरोप लगाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के राज्यसभा सदस्य किरोड़ी लाल मीणा ने शुक्रवार को आरोप लगाया कि जयपुर स्थित एक भवन में 100 निजी लॉकरों में 500 करोड़ रुपये का काला धन और 50 किलोग्राम सोना रखा हुआ है। मीणा ने पुलिस से लॉकर खोलने की मांग की। हालांकि, यह खुलासा नहीं किया कि लॉकर किसके हैं।

उल्लेखनीय है कि भाजपा ने मीणा को आगामी विधानसभा चुनाव के लिए सवाई माधोपुर सीट से उम्मीदवार बनाया है। उन्होंने यहां पिंक सिटी प्रेस क्लब में मीडिया के सामने दावा किया, लगभग 100 लॉकर हैं जिनमें लगभग 500 करोड़ रुपये और 50 किलोग्राम सोना है। मैं तब तक गेट पर बैठा रहूंगा जब तक पुलिस आकर लॉकर नहीं खोल देती।

हालांकि उन्होंने यह नहीं बताया कि लॉकर किसके हैं। मीणा ने कहा, मैं नामों का खुलासा बाद में करूंगा क्योंकि अगर मैं अभी खुलासा करूंगा, तो राजनीतिक दबाव में लॉकर नहीं खोले जाएंगे। प्रेस क्लब से मीणा ने मीडिया से उस भवन तक उनके साथ चलने को कहा जहां के लॉकरों में उनके दावे अनुसार काला धन रखा हुआ है। वह मीडिया के साथ उस भवन में गए जहां लॉकर हैं। उन्होंने कहा, जयपुर पुलिस को लॉकर खोलने चाहिए।

मुलाकात

जयपुर में शुक्रवार को अपने निवास कांग्रेस कार्यकर्ता, जनप्रतिनिधि से मुलाकात करते पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट।

टिकट से वंचित लोगों को मनाने के लिए मैदान में उतरे भाजपा नेता

राजस्थान विधानसभा चुनाव

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान में 25 नवंबर को होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की पहली सूची से नाम गायब होने से नाराज नेताओं को मनाने के लिए भाजपा में कवायद चल रहे हैं। टिकट बंटवारे से उपजे सियासी विवाद को खत्म करने के लिए पार्टी के शीर्ष नेताओं ने मोर्चा संभाल लिया है। इन्हीं प्रयासों के तहत गुरुवार को केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत ने अजमेर का दौरा किया, संगठन महासचिव चंद्रशेखर झुंझुनू गए, प्रदेश सह-प्रभारी विजया रहाटकर सांचौर में थी। जबकि, उपनेता प्रतिपक्ष सतीश पूनिया ने श्रीगंगानगर और पार्टी प्रभारी अरुण सिंह ने जयपुर में 'नाराज' नेताओं से बात की।

शुक्रवार को पार्टी के वरिष्ठ नेता चुनाव के संबंध में महत्वपूर्ण मुद्दों पर विचार-विमर्श करेंगे। हाल ही में अरुण सिंह ने दो बार के सीएम और पूर्व उपराष्ट्रपति भैरों सिंह शेखावत के दामाद पूर्व विधायक नरपत सिंह राजवी के साथ बैठक की, ताकि उन्हें समझाया जा सके कि उनकी चिंताओं को आलाकमान तक पहुंचाया जाएगा और समाधान किया जाएगा। गौरतलब है कि बीजेपी की ओर से जारी की गई पहली सूची के बाद राज्य भर में चौतरफा विरोध शुरू हो गया है। सूत्रों के अनुसार, बीजेपी चुनाव में कांग्रेस के खिलाफ लड़ रही है, लेकिन जिस तरह से वसुंधरा राजे के करीबी नेताओं के टिकट काटे गए हैं, उससे पता चलता है कि वह सबसे पुरानी पार्टी के अलावा, वसुंधरा राजे के साथ शीत युद्ध भी लड़ रही है।

उन्होंने कहा कि आरएसएस भी सूची से काटे गए कुछ नामों से खुश नहीं है। इसी बीच कथित तौर पर वसुंधरा राजे और उनके समर्थक अपने करीबी नेताओं के टिकट रद्द होने के बावजूद दूसरी सूची का इंतजार कर रहे हैं। हालांकि, वह एक अनुशासित प्लेयर की तरह शांत और धैर्य बनाए हुए हैं, लेकिन यह देखना होगा कि क्या पिछले साढ़े चार साल से मुख्यधारा में आने का इंतजार कर रही वसुंधरा राजे, दूसरी सूची के बाद अपना संयम बरकरार रख पाएंगी?

राजस्थान बीजेपी चुनाव प्रबंधन समिति के संयोजक नारायण पंचारिया ने कहा कि राजे केंद्र में जय प्रकाश नड्डा के बाद बीजेपी की दूसरी सबसे बड़ी नेता हैं। उन्होंने कहा, हमारी पार्टी में कोई गुट या खेमा नहीं है। केवल 'कमल' ही हमारी पहचान है। राजे हाल ही में झारखंड में भी ध्वजवाहक थीं और उन्होंने अपना काम काफी कुशलता से किया।

ईरानी का गांधी परिवार पर निशाना-कहा, देश चलाने वालों ने अमेठी की जनता को उसके हाल पर छोड़ दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमेठी (उप्र)/भाषा। केन्द्रीय मंत्री एवं अमेठी से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद स्मृति ईरानी ने शुक्रवार को गांधी परिवार, खासकर कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा कि अमेठी से चुनाव जीतकर सरकार चलाने वालों ने कभी देश के विकास के बारे में नहीं सोचा और क्षेत्र के लोगों को उनके हाल पर छोड़ दिया।

ईरानी ने यहां 'सांसद खेलकूद प्रतियोगिता2023' के समापन अवसर पर अपने सम्बोधन में गांधी परिवार को निशाने पर रखा। उन्होंने अमेठी से सांसद रह चुके पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष राहुल गांधी का नाम लिये बगैर कहा, 'कुछ लोगों ने यहां से चुनाव जीता और देश की सरकार चलाई। उन्होंने यहां के लोगों के विकास के बारे में कभी नहीं सोचा और उन्हें उनके हाल पर छोड़ दिया। वे खुद जीतते रहे लेकिन विकास की ओर नहीं देखा।'

उन्होंने कहा, 'गोमती नदी के पिपरी घाट पर पुल का निर्माण तब हुआ जब केंद्र में नरेन्द्र मोदी और उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में सरकार बनी।'

ईरानी ने कहा, 'यहां से जीतने वाले सांसद दिल्ली में बैठकर बिजली का आनंद लेते थे और लोगों को अंधेरे में छोड़ देते थे, लेकिन नरेन्द्र मोदी की सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार ने अमेठी के एक लाख 23 हजार परिवारों को बिजली देने का प्रयास किया है।' उन्होंने कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष सोनिया गांधी पर भी परोक्ष रूप से निशाना साधते हुए कहा, 'एक परिवार की महिला अमेठी से सांसद हुआ करती थीं लेकिन उन्होंने कभी अमेठी की महिलाओं के सम्मान के बारे में नहीं सोचा और न ही अमेठी में शौचालय बनाने के लिए कोई काम किया।

नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में केंद्र और योगी आदित्यनाथ जी के नेतृत्व में उत्तर प्रदेश में सरकर बनने के बाद अमेठी के हर घर में शौचालय बनाने का काम किया गया। हमारी सरकार ने महिलाओं के सम्मान के लिए काम किया है।'

तीस्ता नदी की बाढ़ में बहकर आये मोर्टार के 16 गोलों को बंगाल में निष्क्रिय किया गया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जलपाईगुड़ी (पश्चिम बंगाल)/भाषा। सिक्किम में पिछले सप्ताह बादल फटने और फिर अचानक बाढ़ आने के बाद तीस्ता नदी में बहकर आये मोर्टार के 16 और गोले पश्चिम बंगाल के जलपाईगुड़ी जिले में निष्क्रिय किये गये। पुलिस ने यह जानकारी दी। क्रांति पुलिस चौकी प्रभारी मंसूरुद्दीन ने बताया कि पुलिस और सेना की एक संयुक्त टीम ने बृहस्पतिवार को चेंगमारी ग्राम पंचायत के एक क्षेत्र में मोर्टार के 16 और गोले बरामद किए और उन्हें निष्क्रिय कर दिया। इससे पहले बुधवार को भी मोर्टार के 20 गोलों को निष्क्रिय किया गया था।

पुलिस का मानना है कि मोर्टार के ये गोले सेना के थे और पड़ोसी राज्य सिक्किम में बादल फटने और अचानक आई बाढ़ के पानी में बहकर यहां आ गये। पिछले सप्ताह जिले में तीस्ता नदी की बाढ़ के पानी में बहकर आया मोर्टार का एक गोला फटने से दो लोगों की मौत हो गई थी, जबकि चार अन्य घायल हो गये थे, जिसके बाद यह कवायद की जा रही है। पुलिस ने कहा, ''पिछले दो दिनों में कुल मिलाकर मोर्टार के 36 गोले निष्क्रिय किये गये हैं। तलाशी अभियान जारी रहेगा।''

प्रधानमंत्री मोदी की 'मजबूत और संवेदनशील' सरकार इजराइल से प्रत्येक भारतीय को सुरक्षित लाएगी : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने शुक्रवार को कहा कि भारत में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में मजबूत और संवेदनशील सरकार है जो इजराइल में फंसे प्रत्येक भारतीय की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करेगी।

भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता गौरव भाटिया ने संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए इजराइल से 200 से अधिक भारतीयों के पहले जत्थे को सुरक्षित वापस लाने के लिए सरकार की प्रशंसा की और इसे 'अभूतपूर्व बचाव मिशन' बताया। उन्होंने कहा, ''जब वहां इस तरह का भयावह दृश्य है, ऐसे में एक संवेदनशील और सुदृढ़ सरकार मजबूत कदम उठा रही है। 'ऑपरेशन अजय' के तहत विशेष विमान से 212 भारतीयों को सुरक्षित वापस लाया गया है। यह पूरे भारत के लिए गौरव का क्षण है।'' छात्रों सहित भारतीयों का पहला जत्था शुक्रवार को तड़के एक चार्टर्ड उड़ान से इजराइल से स्वदेश लौटा। भारत ने हमास के चरमपंथियों द्वारा इजराइल पर हमले किये जाने के बाद स्वदेश वापस आना चाह रहे लोगों की सुविधा के लिए 'ऑपरेशन अजय' चलाया है। प्रत्येक नागरिक को समझना चाहिए कि सरकार इजराइल में फंसे हुए भारतीयों को सुरक्षित वापस लाने की जिम्मेदारी पूरी कर रही है और संसाधनों की कोई कमी नहीं है। उन्होंने कहा, ''मैं वहां भारतीयों से शांत और सुरक्षित रहने की अपील करता हूं। और हम सुनिश्चित करेंगे कि वे सभी सुरक्षित भारत लौटें। यह हमारी आपके लिए प्रतिबद्धता है।''

मामला लंबित होने के कारण कृष्ण जन्मभूमि से जुड़ी याचिका खारिज कीः उच्च न्यायालय

प्रयागराज/भाषा। इलाहाबाद उच्च न्यायालय ने मथुरा में शाही ईदगाह मस्जिद स्थल को कृष्ण जन्मभूमि घोषित करने के अनुरोध वाली जनहित याचिका खारिज किए जाने का कारण शुक्रवार को अपनी वेबसाइट पर अपलोड किया। मुख्य न्यायाधीश प्रितिंकर दिवाकर और न्यायमूर्ति आशुतोष श्रीवास्तव की पीठ ने पेशे से अधिवक्ता महक माहेश्वरी द्वारा दायर जनहित याचिका 11 अक्टूबर को खारिज कर दी थी, लेकिन याचिका खारिज किए जाने का कारण प्रतीक्षारत था।

जनहित याचिका खारिज करते हुए अदालत ने कहा, चूंकि मौजूदा रिट (जनहित याचिका) में शामिल मुद्दे पहले से ही (लंबित मुकदमों में) इस अदालत का ध्यान आकर्षित कर रहे हैं, हम इस रिट पर विचार करने के इच्छुक नहीं हैं और इस प्रकार से इसे खारिज किया जाता है।'' इससे पूर्व, राज्य सरकार की ओर से पेश मुख्य स्थायी अधिवक्ता कुणाल रवि सिंह ने इस याचिका का यह कहते विरोध किया था कि यद्यपि इस याचिका को जनहित याचिका के तौर पर बताया है, यह जनहित में नहीं है, बल्कि यह एक निजी कारण का समर्थन करता है क्योंकि याचिकाकर्ता भगवान श्रीकृष्ण की प्रबल भक्त होने का दावा करती हैं। उन्होंने दलील दी, स्थानांतरण आवेदन (दीवानी) संख्या 88, 2023 (भगवान श्रीकृष्ण विराजमान एवं सात अन्य बनाम उत्तर प्रदेश सुन्नी सेंट्रल वक्फ बोर्ड एवं तीन अन्य) में 26 मई, 2023 को पारित आदेश के तहत सिविल न्यायाधीश, सीनियर डिवीजन, मथुरा के समक्ष लंबित 10 मामले इस अदालत को स्थानांतरित किए गए हैं और वे लंबित हैं। इन मुकदमों में भी वही मुद्दे उठाए गए हैं जो इस रिट (जनहित याचिका) में उठाए गए हैं।

पहले अमेठी के सांसद केवल चुनाव के समय नजर आते थेः योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमेठी (उप्र)/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शुक्रवार को बिना नाम लिए कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि 2019 से पहले अमेठी के सांसद केवल चुनावों में नजर आते थे। मुख्यमंत्री योग ने अमेठी सांसद खेल प्रतियोगिता 2023 के तहत आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह को संबोधित करते हुए कहा, सांसद केवल चुनाव लड़ने आते थे। चुनाव जीतने के बाद वे दोबारा चुनाव में ही नजर आते थे, लेकिन अब अमेठी में ऐसा नहीं है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा, आज अमेठी में ऐसा नहीं है। अमेठी की सांसद स्मृति ईरानी 10 से 15 दिन पर अमेठी आती रहती हैं। उनके नेतृत्व में अमेठी में तेजी से विकास हुआ है। चिकित्सा सहित तमाम क्षेत्रों में काम हुआ है। अमेठी का मेडिकल कॉलेज का भी सपना पूरा हुआ है।'' भाजपा नेता स्मृति ईरानी ने 2019 के लोकसभा चुनाव में अमेठी में कांग्रेस के नेता राहुल गांधी को हराकर बड़ा उलटफेर किया था।

आदित्यनाथ ने यहां 700 करोड़ रुपये की 879 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास किया। इस मौके पर केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी, भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र चौधरी व सांसद मनोज तिवारी भी मौजूद थे। योगी आदित्यनाथ ने कहा कि अमेठी का यह कार्यक्रम केवल अमेठी का नहीं है बल्कि भारत की प्रतिभाओं के सम्मान का समारोह है। उन्होंने कहा कि इस तरह के आयोजन पहले नहीं होते थे लेकिन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आह्वान से खेल को बढ़ावा मिला है और आज सभी ने देखा है कि चीन में किस तरीके से भारत ने अपनी खेल शक्ति का प्रदर्शन किया है। उन्होंने कहा, ''यह प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रोत्साहन का नतीजा है कि उत्तर प्रदेश के खिलाड़ियों ने 25 प्रतिशत पदक एशियाई खेलों में जीते हैं।'' उन्होंने कहा कि पदक जीतने वाले खिलाड़ियों को तीन-तीन करोड़ रुपये एक सम्मान समारोह में दिए जाएंगे, साथ ही साथ उनके लिए पुलिस उपाधीक्षक का पद भी तैयार रखा गया है।

विस अध्यक्ष को अयोग्यता याचिकाओं पर तय समय में निर्णय लेने का निर्देश दिया जाना चाहिएः पवार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के अध्यक्ष शरद पवार ने शुक्रवार को उच्चतम न्यायालय से महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष राहुल नार्वेकर को एक निश्चित समय सीमा के भीतर शिवसेना और राकांपा विधायकों की अयोग्यता याचिकाओं पर निर्णय लेने का निर्देश देने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि याचिकाओं पर निर्णय लेने में विधानसभा अध्यक्ष की ओर से देरी की गई जिसकी वजह से राकांपा को शीर्ष अदालत का रुख करना पड़ा।

उच्चतम न्यायालय ने मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और कई विधायकों की अयोग्यता की याचिका पर फैसला लेने में देरी के लिए शुक्रवार को विधानसभा अध्यक्ष को लेकर सख्त रुख अपनाया और कहा था कि अध्यक्ष, शीर्ष अदालत के आदेशों को टाल नहीं सकते। भारत के प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली पीठ ने कहा कि अयोग्यता याचिकाओं पर निर्णय अगले विधानसभा चुनाव से पहले लिया जाना चाहिए नहीं तो पूरी प्रक्रिया निरर्थक हो जाएगी।

उच्चतम न्यायालय की टिप्पणी के बाद सवाल के जवाब में पवार ने कहा, 'निर्देश दिया जाना चाहिए कि निर्णय एक तय समय-सीमा के भीतर लिया जाए और इसमें विलंब नहीं किया जा सकता है। यही रुख शिवसेना का भी है।' उन्होंने कहा कि उच्चतम न्यायालय में सुनवाई के दौरान राकांपा नेता सुप्रिया सुले और जितेंद्र आव्हाड मौजूद थे।

शिवसेना-(यूबीटी) और पवार के नेतृत्व वाला राकांपा गुट दोनों ही बागी विधायकों की अयोग्यता पर शीघ्र निर्णय चाहते हैं। इस बीच कांग्रेस के वरिष्ठ नेता और महाराष्ट्र के पूर्व मुख्यमंत्री पृथ्वीराज चव्हाण ने कहा कि उच्चतम न्यायालय ने विधानसभा अध्यक्ष नार्वेकर के खिलाफ सख्त रुख अपनाया है, जो स्पष्ट रूप से इस बात का संकेत है कि वह जानबूझकर शिवसेना के विभाजन पर निर्णय लेने में देरी कर रहे हैं। शिवसेना, डेढ़ साल पहले दो गुटों में विभाजित हो गई थी, जिसमें से एक गुट शिवसेना यूबीटी और दूसरा एकनाथ शिंद नीत शिवसेना गुट है।

सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों को न्याय मिलने की शुरुआत 2014 के बाद ही हुई : अमित शाह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को कहा कि 1984 के सिख विरोधी दंगों के पीड़ितों को न्याय मिलने की शुरुआत 2014 में नरेन्द्र मोदी सरकार बनने के बाद ही हुई।

यहां दिल्ली सिख गुरुद्वारा प्रबंधन समिति के एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए शाह ने कहा कि 2014 के बाद 1984 के दंगों से संबंधित 300 मामले फिर से खोले गए और प्रत्येक मृतक के परिवार को 5 लाख रुपये का मुआवजा दिया गया। उन्होंने कहा, ''1984 के दंगों को कोई नहीं भूल सकता। मोदी सरकार के सत्ता में आने तक उन दंगों के मामले में किसी को सजा नहीं हुई। कई जांच आयोग बने, लेकिन नतीजा नहीं निकला। लेकिन मोदी ने एसआईटी बनाई, 300 मामले दोबारा खोले और जो दोषी थे उन्हें जेल भेजना शुरू किया।''

शाह ने कहा कि इतने सालों के बाद मोदी सरकार ने 3,328 मृतकों के परिजनों को पांच-पांच लाख रुपये मुआवजा देने की प्रक्रिया को पूरा किया गया। सिख गुरुओं को श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए गृह मंत्री ने कहा कि सिख समुदाय के लोग धर्म और कर्म दोनों को समान रूप से लेकर आगे बढ़ते हैं और जब धर्म के लिए बलिदान की बात आती है तो एक सच्चा सिख कभी पीछे नहीं हटता। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता संघर्ष के दिनों से आज देश की सुरक्षा तक सिख भाइयों का बलिदान बेमिसाल है।

शाह ने सिख गुरुओं को श्रद्धांजलि अर्पित की और कहा, ''मैं सिख धर्म की गुरु परंपरा के सामने सिर झुकाता हूं। सिख पंथ की 10 पीढ़ियों की गुरु परंपरा ने दुनिया के सामने हमलावरों के अन्याय और बर्बरता के खिलाफ संघर्ष और बलिदान का एक उत्कृष्ट उदाहरण पेश किया है।''

जेल में चंद्रबाबू नायडू के जीवन को खतरा : नारा लोकेश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। तेलुगू देशम पार्टी (तेदेपा) के महासचिव नारा लोकेश ने शुक्रवार को कहा कि जेल में बंद उनके पिता एवं तेदेपा प्रमुख एन चंद्रबाबू नायडू की जान को 'निर्विवाद और तत्काल खतरा' है।

नारा लोकेश ने चंद्रबाबू नायडू की स्वास्थ्य संबंधी परेशानियों, दूषित पानी और संक्रमण का खतरा होने के कारण यह बात कही। उन्होंने आरोप लगाया कि आंध्र प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री नायडू का वजन कम हो गया है और वह राजामहेंद्रवरम केंद्रीय कारागार में समय पर चिकित्सा सहायता नहीं मिलने के कारण संक्रमण और एलर्जी से पीड़ित हैं।

नारा लोकेश ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, '' चंद्रबाबू नायडू एक गंभीर स्थिति का सामना कर रहे हैं। मच्छरों, दूषित पानी, वजन घटने, संक्रमण और एलर्जी से निपटने के लिए, समय पर उन्हें चिकित्सा सहायता मुहैया नहीं कराई जा रही है। आंध्र प्रदेश सरकार उन्हें स्टेरॉयड देने की कोशिश कर रही है। '' पूर्व मंत्री के अनुसार चंद्रबाबू नायडू के जीवन को 'निर्विवाद और तत्काल खतरा' है। उन्हें जानबूझकर नुकसान पहुंचाया जा रहा है। लोकेश ने दावा किया कि पूर्व मुख्यमंत्री की जान 'निस्संदेह रूप से खतरे में है।' उन्होंने कहा, '' ऐसा क्या है जो सरकारी चिकित्सक और प्रशासन छुपाना चाह रहे हैं? अगर नायडू को कोई नुकसान हुआ, तो इसके लिए जगन मोहन रेड्डी जिम्मेदार होंगे। ''

चंद्रबाबू नायडू की पत्नी नारा भुवनेश्वरी ने भी इसी तरह की चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वह अपने पति के स्वास्थ्य को लेकर बहुत चिंतित हैं, क्योंकि आंध्र प्रदेश सरकार कथित तौर पर उन्हें समय पर चिकित्सीय देखभाल प्रदान करने में विफल रही है।

ममता ने बंगाल में स्वयं सेवकों, आशा कार्यकर्ताओं के लिए दुर्गा पूजा बोनस की घोषणा की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोलकाता/भाषा। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने शुक्रवार को पश्चिम बंगाल पुलिस और कोलकाता पुलिस के नागरिक स्वयं सेवकों तथा स्वास्थ्य विभाग के तहत कार्यरत आशा कार्यकर्ताओं के लिए 5,300 रुपये के दुर्गा पूजा बोनस की घोषणा की है।

ममता ने आरोप लगाया कि कुछ राजनीतिक दल और लोग बोनस के मुद्दे पर राज्य में पुलिस बलों के विभिन्न कैडरों के बीच विभाजन और दुश्मनी पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं । ममता पश्चिम बंगाल की पुलिस मंत्री भी हैं । उन्होंने 'एक्स' (पूर्व में ट्विटर) पर लिखा, ''गलत मंशा वाले कुछ राजनीतिक दल /व्यक्ति कोलकाता पुलिस और पश्चिम बंगाल पुलिस के विभिन्न कैडरों के बीच विभाजन एवं दुश्मनी पैदा करने की कोशिश कर रहे हैं। मैं आश्वासन देती हूं कि पश्चिम बंगाल पुलिस के नागरिक स्वयं सेवकों को भी कोलकाता पुलिस के स्वयं सेवकों की तरह 5,300 रुपये का पूजा बोनस मिलेगा।'' ममता ने कहा, ''इसके अलावा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग के तहत आने वाली आशा कार्यकर्ताओं को भी 5,300 रुपये का पूजा बोनस मिलेगा। क्षेत्र के मेरे सहयोगियों को पूजा की शुभकामनाएं।''

असम : पांच करोड़ रुपये से अधिक की हेरोइन जब्त, तीन गिरफ्तार

दीफू/गुवाहाटी (असम)/भाषा। असम के दो जिलों में अलग-अलग जगहों पर की गई कार्रवाई के दौरान भारी मात्रा में हेरोइन जब्त की गई है और तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी देते हुए बताया कि मादक पदार्थ की कुल कीमत पांच करोड़ रुपये आंकी गई है।

एक गुप्त सूचना पर कार्रवाई करते हुए पुलिस ने बृहस्पतिवार रात कार्बी आंगलोंग जिले के खकरजन इलाके में एक तलाशी अभियान चलाया और इस दौरान पड़ोसी नगालैंड के दीमापुर से आ रहे एक वाहन को रोका गया। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि वाहन की तलाशी के दौरान उसके दरवाजों में बने गुप्त स्थानों में छिपा कर रखी गई 726 ग्राम हेरोइन जब्त की गई, जिसकी कीमत चार करोड़ रु. से अधिक आंकी गई है।

एक मैच के कारण कप्तानी नहीं पाई, एक मैच के कारण इस गंवाऊंगा भी नहीं : बाबर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। पाक के कप्तान बाबर आजम का मानना है कि विश्व कप में भारत के खिलाफ शनिवार को होने वाले बहु प्रतीक्षित मैच के परिणाम का उनकी कप्तानी पर कोई असर नहीं पड़ेगा। इस महत्वपूर्ण मैच से पहले दोनों टीम के कप्तानों पर दबाव है क्योंकि किसी भी टीम के प्रशंसक अपनी टीम को हारता हुआ नहीं देखना चाहते हैं। बाबर ने हालांकि जताया कि उन पर किसी तरह का दबाव नहीं है। यह अलग बात है कि इस मैच के नतीजे का उनकी कप्तानी पर पड़ने वाले प्रभाव से संबंधित सवाल पर वह खुश नहीं दिखे। बाबर ने मैच की पूर्व संध्या पर कहा, ''मुझे कभी इस बात की चिंता नहीं रही कि इस एक मैच के कारण मैं अपनी कप्तानी गंवा दूंगा। खुदा ने मेरी किस्मत में जो कुछ लिखा होगा वह मुझे मिलेगा। मैं जिसका हकदार हूं वह मुझे मिलेगा। मुझे एक मैच के कारण कप्तानी नहीं मिली और मैं एक मैच के कारण उसे गंवाऊंगा भी नहीं।''

आईसीसी की प्रतियोगिताओं में भारत के खिलाफ उनका रिकॉर्ड अच्छा नहीं है और उन्होंने इसे स्वीकार भी किया। उनका मानना है कि आईसीसी प्रतियोगिताओं से इतर भारत के खिलाफ नहीं खेलना इसका एक कारण है।

बाबर ने कहा,'' विश्व कप में मेरा रिकॉर्ड अभी वैसा नहीं है जैसा कि होना चाहिए, लेकिन उम्मीद है कि अगले मैच में आपको कुछ अंतर नजर आएगा। भारत के खिलाफ हम केवल विश्व कप में ही एक दूसरे का सामना करते हैं। ऐसे में हमें एक दूसरे के खिलाफ खेलने का लंबे अंतराल में मौका मिलता है। मेरे खराब रिकॉर्ड का कारण गेंदबाज नहीं हैं। कई बार मैंने अपनी गलतियों से विकेट गंवाया''

पाकिस्तान की हौसला अफजाई करने के लिए चाचा शिकागो बशीर को छोड़कर पाकिस्तान का कोई भी प्रशंसक नरेंद्र मोदी स्टेडियम में मौजूद नहीं रहेगा। ऐसे में भारतीय प्रशंसकों के सामने खेलने के दबाव से जुड़े सवाल पर बाबर ने कहा,''इसको लेकर किसी तरह का दबाव नहीं है क्योंकि हम पहले भी खचाखच भरे स्टेडियम में खेलते रहे हैं। हम एमसीजी और अन्य बड़े स्टेडियमों में लाखों दर्शकों के सामने खेले हैं। मैं जानता हूं कि स्टेडियम भारतीय दर्शकों से भरा रहेगा। यदि पाकिस्तानी दर्शकों को यहां आने की अनुमति मिलती है तो यह हमारे लिए अच्छा होगा।'' उन्होंने कहा,''जब हम हैदराबाद पहुंचे तो हमें वहां काफी समर्थन मिला। मुझे लगता है कि वहां पाकिस्तान की टीम के काफी समर्थक थे और मुझे यहां भी ऐसी उम्मीद है। ''

गिल ने किया जमकर अभ्यास, रोहित शर्मा ने कहा 99 प्रतिशत खेलना तय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अहमदाबाद/भाषा। भारतीय कप्तान रोहित शर्मा ने शुक्रवार को यहां कहा कि सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल पाकिस्तान के खिलाफ शनिवार को यहां होने वाले विश्व कप मैच में वापसी के लिए पूरी तरह तैयार हैं। रोहित ने मैच की पूर्व संध्या पर संवाददाताओं से कहा,''वह कल के मैच के लिए 99 प्रतिशत उपलब्ध है।'' गिल ने भी शुक्रवार को जमकर अभ्यास किया और वह अच्छी लय दिख रहे थे। उन्होंने नेट पर जिस तरह से गेंदबाजों का सामना किया उसे देखकर लग नहीं रहा था कि डेंगू होने के कारण वह पिछले रविवार को अस्पताल में भर्ती थे।

रविचंद्रन अश्विन का सामना करते हुए गिल ने कुछ आकर्षक ऑन ड्राइव लगाए। अश्विन एक बार भी उन्हें परेशान नहीं कर पाए। तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी के सामने हालांकि गिल ने थोड़ी सतर्कता बरती। लगभग 20 मिनट तक नेट पर गेंदबाजों का सामना करने के बाद गिल ने थ्रो डाउन पर अभ्यास किया। इससे यह लगभग सुनिश्चित हो गया कि उन्हें ईशान किशन की जगह अंतिम एकादश में लिया जाएगा। जहां तक किशन का सवाल है तो उन्होंने आज बल्लेबाजी का अभ्यास नहीं किया।

सुविचार

जिंदगी एक दरिया है, कोई भी इसे पार नहीं कर सकता, बस तैरते रहना सीखो।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

'दो का चार': कंगाली का मार्ग

जल्द अमीर बनाने का झांसा देने वाली मोबाइल ऐप लोगों की जेबें खूब खाली कर रही हैं। इनके खिलाफ सरकारों को सख्त कदम उठाने की जरूरत है। ये कई लोगों को कंगाल कर चुकी हैं। आश्चर्य की बात है कि इनके बारे में अख़बारों से लेकर सोशल मीडिया तक खूब छप रहा है, लेकिन लोग फिर भी जाल में फंसते जा रहे हैं! यहां तक कि उच्च शिक्षित लोग ज्यादा ठगे जा रहे हैं। हाल में राजस्थान में सैकड़ों लोगों ने 'आसान कमाई' के लिए एक ऐप में खूब रुपए लगाए। अपने दोस्तों, रिश्तेदारों तक को मोटे मुनाफे के सपने दिखाए। उनमें से भी कई लोग 'दो का चार' के फेर में आ गए। अब इस ऐप ने काम करना बंद कर दिया है। उसके कर्ता-धर्ता कोई जवाब नहीं दे रहे हैं। कुछ दिन पहले तक जो लोग अपने निवेश और मुनाफे के स्क्रीनशॉट दिखाकर दफ्तर में रौब झाड़ते थे, अब उनकी नींदें उड़ी हुई हैं। अगर वे पहले ही इस प्रकार की मोबाइल ऐप के दावों को परखने की कोशिश करते तो नुकसान से बच सकते थे। जब भी कोई कंपनी या ऐप 'दो का चार' और भारी-भरकम मुनाफे का दावा करे तो खुद से यह सवाल जरूर पूछें कि इनके पास ऐसा कौनसा नुस्खा है, जो ये इतनी मोटी रकम दे देंगे? अगर हमें दे देंगे तो खुद क्या रखेंगे? जाहिर-सी बात है कि दुनिया में ऐसी कोई निवेश योजना नहीं है, जो किसी व्यक्ति को रातों-रात मालामाल कर दे, वह भी बिना किसी जोखिम के! आज एक लाख रुपए लगाए, कल दो लाख रुपए मिल गए, फिर दो लाख के चार लाख, चार लाख के आठ लाख ...! ये जिस दर पर मुनाफा देने का दावा करते हैं, वह मौजूदा अर्थव्यवस्था में तो संभव नहीं है। हां, ऐसी योजनाएं उन लोगों को मालामाल कर सकती हैं, जो उस ऐप की ओट में बैठकर लोगों से धन ऐंठते हैं और फिर मौका देखकर चंपत हो जाते हैं। जब ऐसी मोबाइल ऐप के 'कारनामों' का भंडाफोड़ होता है तो लोगों में घबराहट फैलती है। उन्होंने जिनसे रुपए उधार लिए या 'निवेश' करवाए, उनसे संबंध बिगड़ते हैं।

इन दिनों एक सट्टा ऐप का मामला भी खूब चर्चा में है, जिसके प्रवर्तकों ने लोगों को कई करोड़ का चूना लगाया है। कभी जूस और टायर की दुकान चलाने वाले ये लोग अपनी ईमानदारी और मेहनत से काम करते हुए समृद्ध होते तो समाज के लिए आदर्श बनते। इन्होंने जो रास्ता अपनाया, वह 'इसकी टोपी उसके सिर' वाला था। इन्होंने लोगों के लालच का खूब फायदा उठाया। उन्हें मालदार होने का सपना दिखाते रहे और खुद के बैंक खातों में दौलत जमा करते रहे। वह भी इतनी कि अपनी शादी में फिल्मी सितारों को बुलाकर नृत्य करवाया, उन पर खूब रुपए उड़ाए। अब उन्हें भी ईडी के समन मिल रहे हैं। इस सट्टेबाजी के फेर में कई परिवार उजड़ गए। उन्हें पता ही नहीं चला कि अगले दांव में सबकुछ बर्बाद होने वाला है और वही हुआ। इस प्रकार की मोबाइल ऐप हो या परंपरागत तौर-तरीके, आम लोगों को सट्टेबाजी आखिरकार नुकसान ही पहुंचाती है। कई करोड़पति लोग इस जाल में फंसकर अपना सबकुछ गंवा बैठे। राजस्थान के झुंझुनूं जिले के एक गांव में किसी दुकानदार को सट्टेबाजी की ऐसी लत लगी कि उसने अपने कामकाज से ज्यादा ध्यान इसकी ओर देना शुरू कर दिया। उसे शुरुआत में कुछ फायदा हुआ, जिससे उसका लालच बढ़ गया। अब उसे जिस पूंजी से दुकान के लिए माल खरीदना था, वह सट्टेबाजी में लगाने लगा। कुछ और फायदा हुआ तो थोड़ी रकम उधार लेकर लगाई। उसमें भी फायदा हुआ तो वह खुद को किस्मत का बादशाह समझने लगा। एक दिन उसने अपने पिता की ज़िंदगीभर की बचत निकाली, प्लॉट व दुकान को गिरवी रखा और इस उम्मीद के साथ दांव लगा दिया कि अब देश का अगला अरबपति वही बनेगा। जब 'नतीजा' आया तो उसके पांवों तले से जमीन खिसक गई। वह अपने मकान-दुकान सबकुछ गंवा बैठा। अगर वह रातों-रात अमीर बनने का सपना देखने के बजाय अपनी दुकान की ओर ध्यान देता, सूझबूझ से कारोबार चलाता तो कुछ वर्षों में बहुत अच्छी स्थिति में पहुंच जाता। याद रखें, खाली हाथ हो जाने से बेहतर है- थोड़ा मुनाफा।

ट्वीटर टॉक

राजस्थान में मोदी जी का जल जीवन मिशन माताओं - बहनों के चेहरों पर ख़ुशियों की गारंटी लेकर आया है। 'हर घर नल से जल' की मुहिम से मरुभूमि में भी महिला सशक्तिकरण की अविरल धारा बह रही है। जल ही जीवन! और हमारे लिए मिशन भी!

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

भाजपा परिवार के वरिष्ठ सदस्य, असम के माननीय राज्यपाल श्री गुलाब चंद कटारिया जी को जन्मदिवस की आत्मीय शुभकामनाएं। ईश्वर आपको अच्छा स्वास्थ्य एवं दीर्घायु जीवन का आशीर्वाद प्रदान करें, ऐसी मेरी कामना है।

-वसुंधरा राजे

भारत को विकसित बनाने में देश के हर नागरिक की भूमिका है। इसके लिए हर क्षेत्र को एक भाव, एक लक्ष्य और एक संकल्प के साथ आगे बढ़ना ही होगा। इसी सोच के साथ हम देश में आप जैसे युवाओं के लिए खेलो इंडिया जैसी योजनाएं चला रहे हैं।

-नरेन्द्र मोदी

प्रेरक प्रसंग

ममता से उपचार

एक बार एक पत्रकार कलकत्ता में मिशनरीज ऑफ चैरिटी होम में मदर टेरेसा का साक्षात्कार लेने पहुंचा। पत्रकार ने मदर टेरेसा के काम के बारे में काफी सुन रखा था, लेकिन वह उनके मिशन के बारे में कुछ हद तक निंदक था। साक्षात्कार के दौरान पत्रकार ने मदर टेरेसा से पूछा, 'आप और आपकी बहनें यहां के अनगिनत गरीबों और पीड़ित लोगों के जीवन में कोई महत्वपूर्ण बदलाव कैसे ला सकते हैं? समस्याएं असहनीय लगती हैं।' मदर टेरेसा ने तुरंत कोई प्रतिक्रिया नहीं दी। इसके बजाय वह पत्रकार को एक छोटे से कमरे में ले गई, जहां एक गंभीर रूप से कुपोषित और बीमार बच्चा एक खाट पर लेटा हुआ था। चारों ओर मक्खियां भिनभिना रही थीं और कमरे की हालत बेहद खस्ता थी। यह नजारा दिल दहला देने वाला था। मदर टेरेसा ने धीरे से बच्चे को उठाया और उसे साफ करना और खाना खिलाना शुरू कर दिया। इतना ही नहीं, उन्होंने बच्चे को अपनी गोद में उठाया, धीरे-धीरे उसका सिर सहलाते हुए गाने लगी। मदर टेरेसा द्वारा पीड़ित बच्चे के जीवन में बरसाए गए प्यार और देखभाल को देखकर पत्रकार की आंखों में आंसू आ गए।

सामयिक

उच्च शिक्षा प्राप्त कर विदेश में बस जाना देश के लिए नुकसानदेह

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

पढ़ाई के लिए विदेश जाने वाले छात्रों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि चिंता का विषय है। सबसे ज्यादा चिंता इस बात की है कि इससे देश के समक्ष युवा शक्ति के पलायन की समस्या बढ़ रही है। इससे उद्योग-धंधों के लिए श्रम शक्ति की कमी की समस्या भी आ सकती है। इसके अलावा, देश की बहुमूल्य विदेशी मुद्रा विदेशों में जा रही है। यूक्रेन युद्ध में भारतीय छात्र फंसे तो नेताओं को पता चला कि इतने सारे भारतीय छात्र मेडिकल की पढ़ाई करने विदेश जाते हैं। उसके बाद मुख्यमंत्रियों से लेकर प्रधानमंत्री तक ने हैरानी जताई। इस बात पर गौर किया जाना चाहिए कि भारत से हरेक साल बड़ी संख्या में विद्यार्थी शिक्षा ग्रहण करने के अमेरिका, ब्रिटेन, आस्ट्रेलिया आदि देशों में क्यों चले जाते हैं? यह सवाल कनाडा में जो भारत को लेकर हो रहा है उस रोशनी में पूछ जाना चाहिए। वहां जो कुछ भी घटित हो रहा है उससे पहले ही भारतीयों के साथ हिंसा के मामले सामने आने के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय अधिक जाग चूका है और अब विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता अरिंदम बागची ने गुरुवार को कहा था कि इजराइल में फिलहाल करीब 18 हजार भारतीय जबकि वेस्ट बैंक में करीब एक दर्जन और गाजा में तीन से चार भारतीय रह रहे हैं। जब यहाँ छात्र किसी कारण से फंसते है तो भारत सरकार को एयर -लिफ्ट का सहारा लेना पड़ता है जो परेशानी भरा होता हैं।

बताया जाता है कि पिछले कुछ वर्षों से भारत से विदेशों में जाकर शिक्षा प्राप्त कर वहीं बसने की आकांक्षा का क्रेज़ बढ़ता जा रहा है। केन्द्र सरकार के अनुसार वर्ष 2016 और 2021 के बीच 26.44 लाख भारतीय विद्यार्थी विदेशों में पढ़ने के लिए गए। एसोसिएटेड चेम्बर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री ऑफ इंडिया (एसोचैम) का अनुमान है कि वर्ष 2020 में 4.5 लाख भारतीय विद्यार्थी विदेशों में शिक्षा प्राप्त करने गए और उन्होंने 13.5 अरब डालर का खर्च किया। वर्ष 2022 में यह खर्च 24 अरब डालर यानि लगभग 2 लाख करोड़ रूपए रहा और रेडसियर स्टार्टेजी कन्सलटेंट की रिपोर्ट के अनुसार 2024 तक यह खर्च 80 अरब डालर यानि 7 लाख करोड़ रूपए तक पहुंच सकता है, जब अनुमानित 20 लाख भारतीय विद्यार्थी विदेशों में पढ़ने के लिए जाएंगे। केन्द्रीय मंत्री बी. मुरलीधरन ने 25 मार्च 2022 को लोकसभा को सूचित किया किया था कि वर्तमान में 13 लाख भारतीय विद्यार्थी विदेशों में पढ़ रहे हैं। यह संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। सरकार के इस वक्तव्य के अनुसार वर्ष 2021 में 4.44 लाख विद्यार्थी विदेशों में पढ़ने गए। एक अन्य सरकारी वक्तव्य के अनुसार नवंबर 30, 2022 तक विदेशों में पढ़ने जाने वाले विद्यार्थियों की संख्या 6.46 लाख थी, यानि 45 प्रतिशत की वृद्धि।

यदि राज्यवार ब्यौरा देखें तो वर्ष 2021 तक विदेशों में पढ़ने जाने वाले विद्यार्थियों में 12 प्रतिशत पंजाब से, 12 प्रतिशत से ही आंध्र प्रदेश से और 8 प्रतिशत गुजरात से थे। अगर युवाओं की कुल

संख्या के अनुपात में देखा जाए तो पंजाब से प्रत्येक हजार में से 7 युवा, आंध्र प्रदेश में प्रति हजार में 4 युवा और गुजरात से प्रति हजार में से कम से कम 2 युवा विदेशों में हर साल पढ़ने जा रहे हैं। यदि वर्ष 2016 से 2022 के संचयी संख्या लें तो स्थिति काफी भयावह दिखाई देती है। पंजाब में यह संख्या 50 प्रति हजार, आंध्र प्रदेश में 30 प्रति हजार और गुजरात में 14 प्रति हजार है।

विदेशों में पढ़ने जाने वाले विद्यार्थियों की संख्या में बेतहाशा वृद्धि के कारण देश की बहुमूल्य विदेशी मुद्रा विदेशों में जा रही है। ऐसा देखने में आ रहा है कि उनके माता-पिता अपनी परिसंपत्तियों को बेचकर इन युवाओं को विदेशों में पढ़ने के लिए भेज रहे हैं। एक समय था कि विदेशों में रह रहे भारतीयों के माध्यम से पंजाब के गांवों में बड़ी मात्रा में विदेशों से धन आता था। विदेशों में पढ़ाई के इस क्रेज़ के चलते यह प्रक्रिया उलट हो गई है, यानि अब विदेशों से धन आने के बजाय विदेशों को धन भेजा जा रहा है। ऐसे में जब वर्ष 2024 तक विदेशों में पढ़ने जाने वाले विद्यार्थियों की संख्या 20 लाख और उनके द्वारा खर्च की जाने वाली राशि 80 अरब डालर पहुंच जाएगी, तो यह देश के लिए अत्यंत संकटकारी स्थिति का कारण बनेगा।

गौरतलब है कि युवाओं का शिक्षा के लिए विदेशों में पलायन, देश में शिक्षा सुविधाओं की कमी की वजह से नहीं है। वास्तव में देश में पिछले दो-तीन दशकों में शिक्षा के क्षेत्र में भारी प्रगति हुई है। यदि उच्च शिक्षा में विद्यार्थियों का प्रवेश देखें तो 1990-91 में जहां मात्र 49.2 लाख विद्याार्थियों ने उच्च शिक्षण संस्थानों में प्रवेश लिया, यह संख्या वर्ष 2020-21 में 414 लाख तक पहुंच गई। मोटे तौर पर उच्च शिक्षा में प्रवेश लेने वाले विद्याार्थियों की संख्या पिछले 30 वर्षों में 10 गुणा से भी ज्यादा हो चुकी है। यदि उच्च शिक्षा संस्थानों की बात की जाए तो देखते हैं कि वर्ष 2021 में देश में 1113 विश्वविद्यालय और समकक्ष संस्थान, 43796 महाविद्यालय और अन्य स्वतंत्र संस्थान 11296 थे। इसी वर्ष देश में उच्च शिक्षा संस्थानों में 15.51 लाख शिक्षक कार्यरत थे। देश में कई विश्वविद्यालय केन्द्रीय विश्वविद्यालय हैं और कई अन्य राज्य स्तरीय विश्वविद्यालय हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में निजी विश्वविद्यालय हैं और कई विश्वविद्यालय 'सम' यानि 'डीम्ड विश्वविद्यालय' हैं। देश में कई विश्वस्तरीय प्रबंधन एवं इंजीनियरिंग संस्थान हैं, जिनसे शिक्षा प्राप्त विद्यार्थी वैश्विक कंपनियों में उच्च पदों पर आसीन हैं। जहां तक शिक्षा संस्थानों में प्रवेश के लिए फीस का सवाल है, अधिकांश भारतीय शिक्षा संस्थानों में फीस विदेशी संस्थानों में फीस से कहीं कम है और जिन विदेशी संस्थानों में भारतीय युवा प्रवेश ले रहे हैं, उनमें से अधिकांश का स्तर अत्यंत नीचा है।

तो सवाल उठता है कि भारी भरकम राशि खर्च कर भारत के युवा विदेशी शिक्षा संस्थानों में प्रवेश क्यों लेते हैं। इसका सीधा उत्तर यह है कि विदेशों में जाने वाले अधिकांश विद्यार्थी उच्च स्तरीय शिक्षा में प्रवेश लेकर वास्तव में कोई उच्च स्तरीय डिग्री प्राप्त करने के लिए जाते हैं, ऐसा नहीं है। आस्ट्रेलिया, कनाडा, और यहां तक कि इंग्लैंड समेत अन्य यूरोपीय देशों में जाने वाले भारतीय विद्यार्थियों का वास्तविक लक्ष्य शिक्षा प्राप्त करना नहीं, बल्कि वहां रोजगार प्राप्त करना है। लेकिन भारतीय युवा यह समझने के लिए तैयार नहीं है कि इन देशों में भी रोजगार की भारी कमी है। कई देशों में वहां के स्थानीय लोग भारतीय एवं अन्य देशों से आने वाले युवाओं के खिलाफ हिंसा की वारदातें भी देखने को मिल रही हैं। देश से जाने वाले अधिकांश युवा विद्यार्थी वहां रोजगार प्राप्त करने में असफल हो रहे हैं और उन्हें स्वदेश वापिस लौटना पड़ता है, जिसके कारण वे भारी कुंठा का भी शिकार हो रहे हैं। चूंकि व्यक्तिगत तौर पर विदेशों में जाने वाले युवा विद्यार्थी, पूर्व में विदेशों में जाने वाले भारतीयों की सफलता की गाथाओं से प्रभावित होकर विदेशों की ओर रुख कर रहे हैं। लेकिन वे यह समझ नहीं पा रहे कि आज कनाडा, आस्ट्रेलिया और यूरोपीय देशों में, जहां वे शिक्षा संस्थानों में प्रवेश ले रहे हैं, वे शिक्षा संस्थान स्वयं के आस्तित्व को बचाने हेतु भारतीय विद्यार्थियों को आसानी से अपनी शिक्षण संस्थानों में प्रवेश दे रहे हैं। यही नहीं भारतीय और अन्य देशों के अति इच्छुक विद्यार्थियों से भारी फीस ऐंठने हेतु शिक्षा की कई दुकानें भी खुल रही हैं, जिनका वास्तविक शिक्षा से कोई सरोकार नहीं है।

ऐसे में केन्द्र और राज्य सरकारों को विदेशों में शिक्षा प्राप्त करने के इच्छुक युवाओं को इस हेतु वास्तविकता से अवगत कराने के लिए विशेष प्रयास करने की जरूरत है, ताकि वे विदेशों में जाकर अपने माता-पिता की गाढ़ी कमाई को यूं ही न गवा दें। गौरतलब है कि पिछले लगभग दो दशकों से भारत के कई नागरिक एजेंटों के माध्यम से विदेशों में, ख़ास तौर पर खाड़ी के देशों में रोजगार की तलाश में गए और वहां उन्हें कई प्रकार की समस्याओं का सामना करना पड़ा। इन युवाओं के पासपोर्ट तक एजेंटों के द्वारा कब्जा लिए जाते थे और उनका तरह-तरह से शोषण भी किया जाता था। उन्हें अत्यंत अमानवीय परिस्थितियों में रहना पड़ता था, ऐसे में भारत सरकार द्वारा विविध प्रकार के प्रयासों से समझाने की कोशिश की गई और सरकार ने एजेंटों के पंजीकरण को अनिवार्य किया और विदेशों में जाने वाले भारतीयों के हित संरक्षण के लिए विभिन्न प्रकार के प्रयास भी किए।इसी तर्ज पर देश के अनभिज्ञ युवा जो विदेशों में शिक्षा के नाम पर ठगे जा रहे हैं, उन्हें इस समस्या से बचाने के लिए सरकार को प्रयास करने होंगे। समाज के प्रबुद्ध वर्ग को भी इस हेतु आगे आना होगा।

नजरिया

उद्योगों, उपभोक्ताओं में बढ़ा मानकों के प्रति विश्वास

बाल मुकुन्द ओझा

मोबाइल : 9414441218

विश्व मानक दिवस एक अंतर्राष्ट्रीय दिवस है जिसे पूरी दुनिया में 1970 से 14 अक्टूबर को मनाया जाता है। इस वर्ष की थीम बेहतर दुनिया केलिए साझा दृष्टिकोण रखा गया है। यह वार्षिक कार्यक्रम पूरी दुनिया में इंटरनेशल इलेक्ट्रो-टेक्निकल (आईईसी), अंतर्राष्ट्रीय मानकीकरण संगठन (आईएसओ) और अंतर्राष्ट्रीय दूरसंचार संघ (आईटीयू) द्वारा संयुक्त रूप से मनाया जाता है। दुनियां में प्रत्येक वस्तु और सेवा में एकरूपता बनी रहे इसके विश्व मानव दिवस मनाने की आवश्यकता महसूस की गई। विश्व मानक दिवस हर साल 14 अक्टूबर को स्वैच्छिक इंजीनियरिंग और वैज्ञानिक मानकों के विकास के लिए मनाया जाता है। इसका उद्देश्य वैश्विक अर्थव्यवस्था को मानकीकरण के महत्व के रूप में नियामकों, उद्योगों और उपभोक्ताओं के बीच जागरूकता बढ़ाना है। हमारे दैनंदिन में जीवन मानकों का बहुत प्रभाव पड़ता है। मानक आधुनिक जीवन के प्रत्येक पहलू से जुड़े हैं। मानक हमारे घर, सार्वजनिक भवन, खेल के मैदान, विद्युत उपकरणों एवं स्वास्थ्य सेवाओं को सुरक्षित बनाने में मदद करके जीवन क्षमता बढ़ाते हैं। वे हमारे वातावरण को संरक्षण प्रदान करते हैं, उत्पादकता बढ़ाते हैं और जीवन को खुशियों से भरते है।मानक (स्टैंडर्ड्स) यह सुनिश्चित करते हैं कि सेवाओं से किस प्रकार उपभोक्ता और उद्योग का हित संभव है। इससे विश्वास और भरोसा बढ़ता है। औद्योगिक अपशिष्ट में कटौती, सीमित संसाधनों के साथ अच्छे परिणाम के लिए मानकों की भूमिका महत्वपूर्ण है। उत्पाद एवं सेवा क्षेत्र के विभिन्न वर्गों में मानकीकरण के कार्यों के अतिरिक्त विभिन्न प्रमाणन योजनाओं का संचालन किया जा रहा है।

विभिन्न प्रमाणन योजनाओं में बढ़ते हुए लाइसेंसों की संख्या यह दर्शाती है कि उद्योगों, उपभोक्ताओं और जनसाधारण में मानकों के प्रति विश्वास बढ़ा है। मानकों के प्रयोग से संपूर्ण रूप से दीर्घगामी दक्षता में वृद्धि के रूप में इसके परिणाम और उनका समाधान करने में महत्वपूर्ण माध्यम बन चुके हैं। अंतर्राष्ट्रीय मानकों के तकनीकी फायदे हैं और इससे उत्पादों तथा सेवाओं को बेहतर बनाने तथा इनसे जुड़े उद्योगों को अधिक कुशल बनाने में मदद मिलती है। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर वैश्विक मानकीकरण की दिशा में जो भी अच्छे प्रयास किए जा रहे हैं, उनका फायदा विकासशील देशों को ही मिलेगा। इससे न केवल अंतर्राष्ट्रीय बाजार में उनकी मांग बढ़ेगी, बल्कि व्यापार में लागत भी कम होगी तथा उत्पादकता में बढ़ोतरी होगी।

मानक के माध्यम से आज पूरा विश्व एक दूसरे से जुडा हुआ है। हमारा डेविट, क्रेडिट कार्ड एटीएम मशीन से हमारे लिए पैसे निकाल देता है, किसी भी दुकान से हमारे लिए वस्तुएं क्रय कर सकता है । हमारे द्वारा क्रय किया गया किसी भी कम्पनी का बल्ब हमारे घर के होल्डर में फिट हो जाता है । यह सब मानको के कारण ही संभव हुआ है। मानकों से ही तो लोगों में परस्पर सम्प्रेषण, मशीन, पुर्जो तथा उत्पादों में आपस में तालमेल अत्यंत सरल हुआ है। भारतीय मानक ब्यूरो निरंतर यह प्रयास रहा है कि वह निर्दिष्ट भारतीय मानकों से उत्पादों के अनुरूप मूल्यांकन द्वारा मानकीकरण के फायदों को उपभोक्ताओं तक पहुंचाए। इससे उपभोक्ताओं को गुणवत्ता वाले उत्पांद मिलने के साथ-साथ उनका स्वास्थ्य और सुरक्षा भी सुनिश्चित होती है।

विश्व में वित्तीय अनिश्चितता आज सबसे बड़ा मुद्दा बनी हुई है। उत्पादों और सेवाओं की गुणवत्ता को बनाए रखना आज बहुत बड़ा सवाल बना हुआ है। स्टैंडर्ड से उपभोक्ता का किसी चीज में विश्वास बढ़ता है। भारतीय मानक ब्यूरो का यह निरंतर प्रयास है कि वह उपभोक्ताओं को विश्वास और सुरक्षा के साथ चीज उपलब्ध करवाए। अंतरराष्ट्रीय मानक वैश्विक विश्वास के सृजक हैं। आम नागरिक को सरल एवं सुरक्षित जीवन प्रदान करने के लिए सरकार विशेष नीतियों का निर्माण करती है जिससे कि सुदृढ़ मानकों का निर्माण किया जा सके। विश्व स्तर पर विश्वास पैदा करना ही अंतरराष्ट्रीय मानकों का मुख्य उद्देश्य है। मानकों के आधार पर निर्मित वस्तुएं, सेवाएं एवं विधियां हानि रहित होती हैं तथा पर्यावरण के अनुकूल एवं सुरक्षित पद्धति से सुनिश्चित होती है। किसी भी वस्तु, सेवा या विधि के विस्तार तथा उसके विकास की रीढ़ उसकी गुणवत्ता होती है। गुणवत्ता के गतिशील एवं सुविधाजनक होने से उपभोक्ता इसमें विश्वास रखकर चलता है। आज हमारे दैनिक जीवन में संचार एवं सूचना क्षेत्र तथा चिकित्सा क्षेत्र में विकास वैश्विक विश्वास के सृजन का बहुत बड़ा उदाहरण है। अंतरराष्ट्रीय मानकों के साथ-साथ अपने परिवेश एवं परिस्थिति के अनुरूप भारतीय मानक ब्यूरो का भी इस दिशा में महत्वपूर्ण योगदान है।

मुद्दा

चुनाव में कब मिलेगा आधी आबादी को पूरा हक?

सोनम लववंशी

मोबाइल : 70008 54500

चुनाव आयोग ने पांच राज्यों के विधानसभा चुनाव को लेकर तारीखों का ऐलान कर दिया है। मध्यप्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ समेत पांच राज्यों में आगामी नवम्बर माह में चुनाव है। यह चुनाव कई मामलों में अनूठा साबित होने वाला है, क्योंकि इन पांच राज्यों के नतीज़े जहां आम चुनाव 2024 की दिशा तय करेंगे। वहीं ये चुनाव नारी शक्ति वंदन विधेयक यानी महिला आरक्षण को लेकर भाजपा और कांग्रेस दोनों पार्टियां कितनी संजीदा हैं। उसकी बानगी भी देखने को मिलेगी। अक़्सर यह बात की जाती है कि महिलाओं के सशक्तिकरण से ही देश सशक्त और समृद्ध होगा, लेकिन जब महिलाओं को चुनाव में टिकट देने की बारी आती है, तो राजनीतिक दल महिलाओं को टिकट देने से कतराते हैं। विगत चुनावों के आंकड़ों का गहन विश्लेषण करेंगे तो हम स्पष्ट देखेंगे कि बीते चुनावी रण में 8000 उम्मीदवारों में से मात्र 724 महिला उम्मीदवार को चुनावी समर में उतारा गया। जो स्थिति की गम्भीरता को बख़ूबी बयां करता है। केवल आरक्षण की बैसाखी के सहारे बड़े बदलाव की उम्मीद करना कोरी लफ्फाज़ी है। आधी आबादी को पूरा हक़ दिलाने के लिए समाज की सोच में बदलाव के साथ राजनीतिक दलों को इच्छाशक्ति भी मजबूत करनी होगी।

वर्तमान परिदृश्य में महिला आरक्षण एक स्वागतयोग्य कदम है, लेकिन इसके इतर सवाल भी कई हैं। जिनके जवाब ढूढ़ने होंगे? आख़िर ऐसा क्यों है कि राजनीतिक दलों में ये इच्छाशक्ति नहीं कि वे महिलाओं को चुनाव में टिकट वितरित कर सकें? गाहे बगाहे इस बात की चर्चा जोरों पर होती हो कि क्या महिलाएं राजनीति के दांवपेंच समझेगी? क्या वे विजयी उम्मीदवार साबित होगी या नहीं? ये सवाल हर राजनीतिक दल को परेशान करता है। महिलाओं के टिकट वितरण और चुनावी नतीज़ों पर नज़र डालें तो राजस्थान विधानसभा चुनाव में साल 2018 में महिला उम्मीदवार का चुनाव में टिकट प्रतिशत 8.24 प्रतिशत था। जिनमें 12 प्रतिशत महिलाओं ने जीत हासिल की। कुछ यही हाल मध्यप्रदेश और छत्तीसगढ़ का भी रहा। मध्यप्रदेश में भी 8.62 प्रतिशत महिला उम्मीदवारों को टिकट दिया गया। जबकि जीत प्रतिशत 9.15 फ़ीसदी रहा। छत्तीसगढ़ में 10.40 प्रतिशत महिला उम्मीदवार चुनावी मैदान में थी। जिनमे 14.44 प्रतिशत महिलाओं ने अपनी विजय हासिल की। 'यूनाइटेड नेशंस यूनिवर्सिटी वर्ल्ड इंस्टीट्यूट फ़ॉर डेवलपमेंट इकोनॉमिक्स' रिसर्च की रिपोर्ट कि माने तो महिला नेता, महिला और परिवार समर्थक नीतियों को लागू करके महिलाओं और बच्चों के मुद्दों पर बेहतर ढंग से कार्य करती है।

गांधी जी के जीवन में मातृशक्ति का विशेष योगदान रहा है और उन्होंने विधायिका में महिला भागीदारी बढाने की आवाज़ कई बार बुलंद की थी। दरअसल महात्मा गांधी अपनी पीढ़ी के उन चुनिंदा शख्सियत में से एक थे, जिन्होंने भारतीय समाज में महिलाओं की केंद्रीय भूमिका को उस वक्त पहचाना। जब कांग्रेस के अंदर महिला भागीदारी और सवालों को लेकर कोई स्पष्ट रूपरेखा नहीं थी। 1931 में आयोजित दूसरे गोलमेज सम्मेलन में महात्मा गांधी ने विधायिका में महिला आरक्षण के पक्ष में कहा था कि, मैं उस विधायिका का बहिष्कार करुंगा, जिसमें महिला सदस्यों की उचित हिस्सेदारी नहीं होगी। गाँधीजी के इस विचार से हम समझ सकते हैं कि सामाजिक जीवन में महिलाओं की हिस्सेदारी को लेकर औपनिवेशिक काल में गांधी जी कितने मुखर थे। गांधीजी अक्सर कहते थे कि, महिला-पुरुष की संयुक्त साझेदारी के बिना महिला सशक्तीकरण संभव नहीं है। उनके अनुसार, यह साझेदारी आर्थिक, राजनीतिक और शैक्षिक स्तर पर महिलाओं को मजबूत बनाये बिना संभव नहीं है और यह आज का सुखद आश्चर्य है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इन सभी पहलुओं पर मातृशक्ति को मजबूत बनाने में अनवरत प्रयास कर रहे हैं। ये अलग बात है कि महिला वोटरों को साधने की रेवड़ियों में भी कोई कमी नहीं आई है। 2023 का चुनाव तो पूरी तरह से ही महिला केंद्रित हो गया है। मध्यप्रदेश के दो प्रमुख दल महिलाओं को केंद्र में रखकर ही अपनी योजनाएं बना रहे हैं। पिछले चार महीनों में मध्यप्रदेश के मुखिया शिवराज सिंह चौहान ने 21 हजार करोड़ रुपए से अधिक की घोषणा कर डाली जबकि कांग्रेस की कमान संभालने वाले कमलनाथ ने 30 हजार करोड़ के वादों की झड़ी लगा दी है। इसके पीछे की सबसे बड़ी वजह महिला वोटरों की बढती संख्या है। अब देखने वाली बात यह है कि आधी आबादी को सत्ता में हिस्सेदारी मिलती है या नहीं।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

माइकल डगलस को सत्यजीत रे लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा : ठाकुर

नई दिल्ली/भाषा

केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने शुक्रवार को घोषणा की कि लोकप्रिय हॉलीवुड अभिनेता माइकल डगलस को गोवा में आयोजित होने वाले भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव (आईएफएफआई) में सत्यजीत रे लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण मंत्री अनुराग सिंह ठाकुर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि अभिनेता माइकल डगलस अपनी पत्नी कैथरीन जीटा जोन्स और पुत्र डायलन डगलस के साथ 20 से 28 नवंबर के बीच गोवा में आयोजित होने वाले 54वें भारतीय अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में शामिल होंगे। अनुराग ठाकुर ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, '' मुझे यह घोषणा करते हुए बेहद खुशी हो रही है कि प्रख्यात हॉलीवुड अभिनेता एवं निर्माता माइकल डगलस को गोवा में आयोजित होने वाले 54वें अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव में प्रतिष्ठित सत्यजीत रे एक्सीलेंस इन फिल्म लाइफटाइम अवार्ड से सम्मानित किया जाएगा। '' उन्होंने कहा, '' माइकल डगलस का भारत के प्रति प्रेम सर्वविदित है और भारत अपनी समृद्ध सिनेमाई संस्कृति तथा अनूठी परंपराओं को प्रदर्शित करने के लिए उत्सुक है। ''

माइकल डगलस (79) ने पांच दशक से भी लंबे अपने उल्लेखनीय करियर में दो अकादमी पुरस्कार, पांच गोल्डन ग्लोब पुरस्कार और एक एमी पुरस्कार हासिल किया है। एक प्रेस विज्ञप्ति के मुताबिक 54वें आईएफएफआई के हिस्से के रूप में माइकल डगलस और कैथरीन जीटा जोन्स भी राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता फिल्म निर्माता, शैलेन्द्र सिंह द्वारा आयोजित एक विशेष संवाद सत्र में भी भाग लेंगे। वर्ष 1999 में 30वें आईएफएफआई में स्थापित सत्यजीत रे लाइफटाइम अचीवमेंट पुरस्कार उन व्यक्तियों को प्रदान किया जाता है जिनके असाधारण योगदान ने सिनेमा की दुनिया को अत्यंत समृद्ध और उन्नत बनाया है।

उद्घाटन

हैदराबाद में शुक्रवार को आईटीईएंडसी, तेलंगाना के प्रधान सचिव जयेश रंजन, परोपकारी पिंकी रेड्डी शुक्रवार को हैदराबाद में भारत की पहली डिजाइन प्रदर्शनी के उद्घाटन के दौरान।

भारत के साथ विकास सहयोग साझेदारी को रेखांकित करती है जयशंकर की श्रीलंका यात्रा

कोलंबो/भाषा

विदेश मंत्री एस जयशंकर की श्रीलंका यात्रा और राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे के साथ उनकी मुलाकात ने द्विपक्षीय सहयोग को आगे बढ़ाया है और श्रीलंका के साथ भारत की विकास सहयोग साझेदारी की व्यापक गुंजाइश को प्रस्तुत किया है। भारतीय उच्चायोग ने शुक्रवार को यहां यह बात कही।

जयशंकर 11 अक्टूबर को 'इंडियन ओशन रिम एसोसिएशन' (आईओआरए) के वरिष्ठ अधिकारियों की 25वीं समिति और मंत्रिपरिषद की 23वीं बैठक में भाग लेने के लिए कोलंबो यात्रा पर थे। इस वर्ष अपनी दूसरी श्रीलंका यात्रा के दौरान जयशंकर ने राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे से मुलाकात की तथा दोनों देशों के कूटनीतिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे होने के मौके पर द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े विविध क्षेत्रों पर चर्चा की।

जुलाई 2023 में श्रीलंका के राष्ट्रपति की भारत यात्रा के दौरान जारी द्विपक्षीय आर्थिक साझेदारी दृष्टिकोण वक्तव्य को याद करते हुए, जयशंकर और विक्रमसिंघे ने व्यापार, लोगों से लोगों के बीच संपर्क और ऊर्जा साझेदारी समेत अन्य विषयों के अनेक आयामों को मजबूत करने की जरूरत पर सहमति जताई। भारतीय उच्चायोग ने एक बयान में कहा, उन्होंने दृष्टिकोण वक्तव्य (विजन स्टेटमेंट) में परिकल्पित लक्ष्यों को समयबद्ध तरीके से प्राप्त करने के लिए तेजी से प्राथमिकता वाले कदम उठाने पर भी सहमति जताई।

इसमें कहा गया है कि यह यात्रा श्रीलंका के साथ भारत की विकास सहयोग साझेदारी की व्यापक गुंजाइश को सामने लाती है।

युद्ध प्रभावित इजराइल से 254 नेपाली छात्रों की घर वापसी

काठमांडू/भाषा

युद्ध प्रभावित इजराइल से बचाए गए 254 नेपाली छात्रों का एक समूह विदेश मंत्री एन पी सऊद के नेतृत्व में शुक्रवार को काठमांडू पहुंच गया। इजराइल के बेन गुरियन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से बृहस्पतिवार को उड़ान भरने वाला नेपाल एयरलाइंस का एक विमान दुबई रुकने के बाद आज सुबह यहां त्रिभुवन अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर उतरा। विदेश मंत्री सऊद ने हवाई अड्डे पर उतरने के बाद संवाददताओं से कहा कि स्वदेश लौटने के लिए अनुरोध करने वाले अन्य नेपाली नगारिकों को भी जल्द वापस लाया जाएगा।

मंत्री ने बताया तेल अवीव में नेपाल के दूतावास ने स्वदेश लौटने और सुरक्षित स्थानों पर स्थानांतरित होने के इच्छुक नागरिकों से आवेदन मांगे थे, इसके बदले में 557 नेपालियों ने अपना विवरण दिया। 'हिमालयन टाइम्स' अखबार ने मंत्री के हवाले से कहा, ''557 नेपालियों में से 503 ने स्वदेश लौटने के लिए आवेदन किया था और उनमें से 254 आज हमारे साथ घर लौट आए हैं।''

मंत्री सऊद ने यह भी बताया कि जिन 54 नेपालियों ने जोखिम वाले क्षेत्रों से स्थानांतरित होने का अनुरोध किया था, उन्हें इजराइल में सुरक्षित क्षेत्रों में स्थानांतरित कर दिया गया है।

फलस्तीन चरमपंथी समूह हमास ने शनिवार को दक्षिणी इजराइल में हवाई हमले किए, जिसमें 10 नेपाली छात्र मारे गए थे। छह छात्रों को बचा लिया गया और एक लापता है। सऊद ने कहा, ''हमलों के बाद लापता हुए बिपिन जोशी की तलाश जारी है। जैसे ही हमें इस बारे में अतिरिक्त जानकारी मिलेगी, हम साझा करेंगे।'' उन्होंने बताया, ''इजराइल की ओर से कहा गया है कि शवों को सौंपने में कुछ समय लगेगा क्योंकि कानूनी प्रक्रिया को पूरा करना और प्रत्येक मृतक का विवरण अलग-अलग रखना आवश्यक है और इजराइल में शवों की संख्या काफी अधिक है।'' उन्होंने मृतकों के परिजनों और रिश्तेदारों से धैर्य रखने का अनुरोध किया है। विदेश मंत्रालय के अनुसार, नेपाल के 265 छात्र इजराइली सरकार की 'सीखो और कमाओ' योजना के तहत, इजराइल के विभिन्न हिस्सों में पढ़ रहे थे और लगभग 4,500 नेपाली नागरिक विभिन्न व्यावसायिक क्षेत्रों में काम कर रहे हैं।

अफगानिस्तान के उत्तरी क्षेत्र में जुमे की नमाज के दौरान शिया मस्जिद में धमाका

काबुल/भाषा

अफगानिस्तान के उत्तरी क्षेत्र में जुमे की नमाज के दौरान एक शिया मस्जिद में धमाका हुआ। एक पुलिस प्रवक्ता ने यह जानकारी दी। प्रवक्ता ने पुष्टि की है कि धमाके में लोग हताहत हुए हैं लेकिन उन्होंने इससे जुड़ा कोई आंकड़ा सामने नहीं रखा है। यह धमाका बगलान की प्रांतीय राजधानी पोल-ए-खोमरी की मस्जिद में हुआ। मस्जिद की जारी वीडियो में लाल कालीन वाले फर्श पर मलबा एवं निजी समान बिखरा हुआ है और कफन से ढके हुए शव दिखाई दे रहे हैं।

बगलान पुलिस के प्रवक्ता शेर अहमद बुरहानी ने बताया कि धमाके से संबंधित जानकारी बाद में साझा की जाएगी। धमाके की जिम्मेदारी अभी किसी ने नहीं ली है लेकिन इसके पीछे इस्लामिक स्टेट (आईएस) संगठन के होने की आशंका है। इस आतंकवादी संगठन ने पूर्व में बड़े पैमाने पर हुए हमलों में अफगानिस्तान के अल्पसंख्यक शियाओं को निशाना बनाया था। आईएस के क्षेत्रीय सहयोगी, जिसे 'खुरासान प्रांत में इस्लामिक स्टेट' के नाम से जाना जाता है, ने तालिबान के अगस्त 2021 में सत्ता पर कब्जा करने के बाद देश भर में मस्जिदों और अल्पसंख्यकों पर हमले बढ़ा दिए।

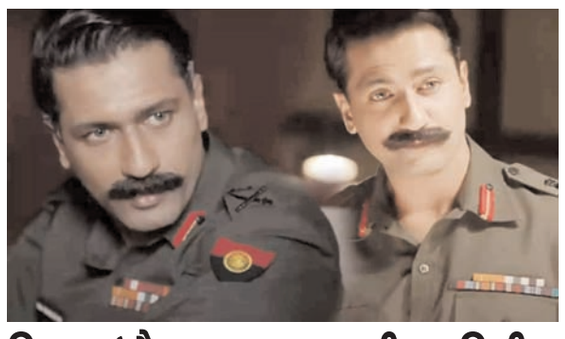

फिल्म 'सैम बहादुर' का टीजर रिलीज

मुंबई/वार्ता

बॉलीवुड अभिनेता विक्की कौशल की आने वाली फिल्म सैम बहादुर का टीजर रिलीज हो गया है देश के पहले फील्ड मार्शल सैम मानेकशॉ पर फिल्म सैम बहादुर बनायी जा रही है। इस फिल्म में सैम मानेकशॉ का किरदार विक्की कौशल निभा रहे है। फिल्म सैम बहादुर का जबरदस्त टीज़र रिलीज कर दिया गया है।टीजर में विक्की कौशल के अलावा सान्या मल्होत्रा और फातिमा सना शेख भी नज़र आ रही हैं। फातिमा सना शेख फिल्म में पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी के रोल में हैं।टीज़र की शुरुआत में विक्की कहते हैं, एक सोल्जर के लिए उसकी जान से ज्यादा कीमती होती है उसकी इज्जत, उसकी वर्दी, और एक सोल्जर अपनी वर्दी की इज्जत के लिए अपनी जान भी दे सकता है। एक सीन में इंदिरा गांधी ,सैम से कहती हैं, सोल्जर्स की ड्यूटी है अपने देश के लिए जान देना। इस पर सैम बहादुर कहते हैं, सोल्जर्स की ड्यूटी है देश के लिए दुश्मन की जान लेना। सैम बहादुर फिल्म का निर्देशन मेघना गुलज़ार ने किया है। इस फिल्म को रॉनी स्क्रूवाला ने प्रोड्यूस किया है।यह फिल्म एक दिसंबर 2023 को रिलीज होगी।

भारतीय गायकों को खुद को साबित करने की जरूरत नहीं : शुभा मुद्गल

नई दिल्ली/भाषा

हिंदुस्तानी शास्त्रीय गायिका शुभा मुद्गल का कहना है कि गायकों की युवा पीढ़ी प्रतिभाशाली और प्रतिबद्ध है, जो रियाज करने में घंटों बिताती है, लेकिन आगे बढ़ने के लिए उसे श्रोताओं और संगठनों के समर्थन की जरूरत है।

मुद्गल ने 'पीटीआई-भाषा' से कहा कि गायकों को यह साबित करने की जरूरत नहीं है कि वे कितने अच्छे हैं, 'इसकी जिम्मेदारी श्रोताओं और आयोजकों के हाथों में है।' मुद्गल ने कहा, छात्र और युवा कलाकार आज अपनी कला के प्रति बहुत प्रतिबद्ध हैं और वे बहुत प्रतिभाशाली भी हैं। लेकिन उन्हें संगीत प्रेमियों और आयोजकों के समर्थन की जरूरत है... दक्षिण अफ्रीकी हास्य कलाकार ट्रेवर नोआ या कनाडा के गायक जस्टिन बीबर के शो के टिकट इतनी बड़ी रकम में बेचे जाते हैं। यहां तक कि अगर उस रकम का आधा हिस्सा उभरते भारतीय कलाकारों को दिया जाता है, जिनकी प्रस्तुति का टिकट 200 रुपये या उसके आसपास होता है, तो सोचिए कि इसका कितना प्रभाव पड़ेगा। मुद्गल (64) ने हाल ही में राष्ट्रीय राजधानी में नाट्य तरंगिनी द्वारा आयोजित 'परंपरा शृंखला' के 27वें संस्करण में प्रस्तुति दी।

लगभग चार दशकों के अपने करियर में, मुद्गल ने कुछ चर्चित गीत गाए हैं, जिनमें अली मोरे अंगना और अब के सावन , सीखो ना, पिया तोरा कैसा अभिमान और हजारों ख्वाहिशें ऐसी जैसे हिट गाने शामिल हैं।

फैशन वीक

नई दिल्ली में प्रगति मैदान में लैक्मे फैशन वीक के दौरान डिजाइनर अमिता गुप्ता की क्रिएशन पेश करती मॉडल।

सारा अली खान ने इंस्टाग्राम पर शेयर की कॉलेज की पुरानी यादें

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की जेन-जेड दिवा सारा अली खान ने अपने प्रशंसकों के साथ इंपीरियल कॉलेज, लंदन के पुराने दिनों को यादें साझा की। अभिनेता सैफ अली खान और अमृता सिंह के घर जन्मी सारा ने इतिहास और राजनीति विज्ञान की पढ़ाई की है। 'केदारनाथ' फेम अभिनेत्री का एक इंस्टाग्राम अकाउंट है जहां वह अपने दैनिक जीवन के अपडेट, अपने पेशेवर जीवन की खबरें और यादें भी साझा करती हैं। अब, अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर सारा ने एक वीडियो साझा किया, जिसमें वह छात्रों से भरी कक्षा में बैठी और एक व्याख्यान में भाग लेती देखी जा सकती है।

वीडियो में शिक्षक और एक छात्र की जूम-इन झलक दिखाई गई है, जो सारा के पीछे बैठा है। सारा ने वीडियो को कैप्शन दिया, मेजर थ्रोबैक, बॉक्सिंग और कॉफी के बाद, एक साथी मिला जो फ्लूइड मकैनिक्स व्याख्यान के लिए उसके

पीछे-पीछे आया। बहुत बुरा नहीं था।'' सारा को पिछली बार बॉलीवुड स्टार विक्की कौशल के साथ रोमांटिक कॉमेडी 'जरा हटके जरा बचके' में सौम्या चावला के रूप में देखा गया था। उन्हें फिल्म 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' के गाने 'हार्टथ्रोब' में एक विशेष भूमिका में भी देखा गया था। फिल्म में रणवीर सिंह और आलिया भट्ट मुख्य भूमिका में थे। सारा की अगली फिल्मों में 'ऐ वतन मेरे वतन', 'मेट्रो...इन दिनो', 'मर्डर मुबारक' और जगन शक्ति का एक अनाम प्रोजेक्ट शामिल है।

बेरोजगारी के दौर से गुजर रहे हैं टीकू तलसानिया

मुंबई/एजेन्सी

वर्ष 1984 में टीवी सीरियल ये जो है जिन्दगी से अपने अभिनय करियर की शुरुआत करने वाले अभिनेता टीकू तलसानिया आज पूरी तरह से बेरोजगार हैं। वे फिल्मों व वेब सीरीज में काम पाने का प्रयास कर रहे हैं। इसके लिए वे एजेंटों का सहारा भी ले रहे हैं लेकिन अभी तक उन्हें कोई काम नहीं मिल पा रहा है। टीकू तलसानिया एक ऐसे कलाकार हैं, जिन्होंने छोटे और बड़े पर्दे पर अपने अभिनय से लोगों का दिल जीता। टीवी की दुनिया से करिअर शुरू करने वाले टीकू ने सिनेमा में भी अपनी छाप छोड़ी है। हिन्दी सिनेमा में उन्होंने ज्यादातर भूमिकाएँ हास्य अभिनेता के तौर पर निभाई हैं। इस जोनर में उनकी

भाव-भंगिमाएं और बोलने का स्टाइल उन्हें अलग दर्शाता रहा है। 69 साल के टीकू तलसानिया ने 35 साल के करिअर में 250 से ज्यादा फिल्मों और सीरियल्स में काम किया है। हालांकि खूब नाम कमाने के बावजूद आज टीकू को काम नहीं मिल रहा है। टीकू ने हाल ही में दिए एक इंटरव्यू में अपना दर्द बयां किया। टीकू ने कहा कि मैं इन दिनों आंशिक रूप से बेरोजगार हूं। बॉलीवुड फिल्मों का वो दौर चला गया जब फॉर्मूला फिल्में बना करती थीं। दो गाने, थोड़ा डांस और थोड़ी कहानी के फॉर्मूले को बनाकर फिल्म हो जाती थी लेकिन अब बॉलीवुड अलग दौर में पहुंच गया है। अब फिल्में कहानी के आधार पर बनाई जाती हैं। अगर आप कहानी के किसी अहम किरदार को नहीं निभाते हैं तो काम मिलने में काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ सकता है।

मुझे बेसब्री से काम मिलने का इंतजार है। हालांकि मैं घर पर बेकार नहीं बैठा, बल्कि हरसंभव तरीके से काम पाने की कोशिश कर रहा हूं, चाहे इसके लिए ऑडिशन देने पड़े या एजेंट के जरिए या मेकर्ल को फीलर्स भेजकर। मेरे पास एक एजेंट है, एक टीम है जो स्क्रिप्ट और नाटकों की तलाश में है। उन्होंने मुझे इसके बारे में बताया और अगर मुझे ऑडिशन के लिए जाना पड़ा तो मैं ऑडिशन के लिए जाऊंगा। टीकू ने आगे कहा कि समय के साथ चीजें बदल गई हैं, लेकिन धैर्य रखने की जरूरत है। मैं लोगों के मुझे कॉल करने का इंतजार कर रहा हूं। इसके अलावा मैं यह महसूस करा रहा हूं कि मैं एक एक्टर हूं जो काम की तलाश में है। इसलिए अगर कोई सूटेबल रोल है तो मैं उसे करना पसंद करूंगा। हमारा नजरिया इसी तरह का है। टीकू हाल ही में गुजराती भाषा की फिल्म का प्रमोशन करते दिखे थे। गौरतलब है कि टीकू तलसानिया ने साल 1984 में टीवी पर प्रसारित सीरियल 'ये जो है जिंदगी' के जरिए एक्टिंग में डेब्यू किया था।

इंटेंसली रॉ और वॉयलेंट दृश्यों से भरी है 'लिओ'

मुंबई/एजेन्सी

इस गुरुवार यानी 19 अक्टूबर को बॉक्स ऑफिस पर विजय थलापति की फिल्म लिओ रिलीज होने जा रही है ये फिल्म बेहद ही इंटेंस बताई जा रही है। यूके में फिल्म के डिस्ट्रिब्यूटर अहिंसा एंटरटेनमेंट ने लिओ को लेकर रिव्यू दिया है। उन्होंने फिल्म को इंटेंसली रॉ और और वॉयलेंट से भरी मूवी बताया है। दरअसल हाल ही में, अहिंसा एंटरटेनमेंट ने अपने एक्स अकाउंट से खुलासा किया कि लियो के 15+ वर्जन यूके में अननोटिसेबल चेंजेस के साथ जारी किया जाएगा। विजय स्टारर फिल्म की सराहना करते हुए, इसमें आगे जिक्र किया गया है कि फिल्म में कई वॉयलेंट सीन्स हैं और कहा गया है कि इसलिए, ये फिल्म कमजोर दिल वाले न देखें। बेहद खतरनाक

लियो के लिए उन्होंने आगे लिखा, कमजोर दिल वालों के लिए ये नहीं है। हालाँकि हमने डएज के लिए 15+ रेटिंग का लक्ष्य रखा था, BBFC ने इसे 18+ दिया, जिसका अर्थ है कि केवल 18 साल और उससे ज्यादा उम्र के लोग ही थिएटर्स में देख सकते हैं। इसमें 15-17 साल की उम्र के बच्चे इसे न देखें।

'लियो' एक एक्शन थ्रिलर फिल्म है इसमें तृषा कृष्णन, अर्जुन सरजा, गौतम मेनन, मैसस्किन और प्रिया आनंद भी अहम भूमिका में हैं। फिल्म में बॉलीवुड अभिनेता संजय दत्त भी हैं। 'लियो' 19 अक्टूबर को भारत के सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

टाइगर अपने एक हाथ से दुश्मनों की सेना का मुकाबला कर सकता है : सलमान

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान अपनी अपकमिंग एक्शन फिल्म 'टाइगर 3' की तैयारी कर रहे हैं। उन्होंने शेयर किया है कि जासूस का उनका मुख्य किरदार अपने एक हाथ से दुश्मनों की सेना का मुकाबला कर सकता है। फिल्म का ट्रेलर बॉलीवुड स्पाई-यूनिवर्स से संबंधित है। इसका अनावरण 16 अक्टूबर को किया जाएगा। इसमें सलमान का अलग लुक देखने को मिलेगा। सलमान ने कहा, ''टाइगर 3' में एक्शन रॉ, रियलिस्टिक लेकिन शानदार है। टाइगर फ्रेंचाइज के बारे में मुझे जो पसंद है वह यह है कि हीरो को लार्जर-दैन-लाइफ हिंदी फिल्म हीरो के रूप में प्रस्तुत किया जाता है, जो अपने एक हाथ से दुश्मनों की सेना का मुकाबला कर सकता है। वह तब तक लड़ सकता है जब तक कि उसके आसपास के सभी दुश्मनों का खात्मा न हो जाए।''

उन्होंने आगे कहा, ''उसकी वीरता यह है कि वह चुनौती का डटकर मुकाबला करता है और पीछे नहीं हटता, जैसा कि वास्तविक जीवन में एक टाइगर करता है, जब वह किसी का शिकार करता है। मेरा किरदार टाइगर कभी भी लड़ाई से पीछे नहीं हटता। वह आखिरी सांस तक हार नहीं मानता और वह अपने देश के लिए हमेशा तैयार रहता है।'' मनीष शर्मा द्वारा निर्देशित 'टाइगर 3' के ट्रेलर को लेकर इंटरनेट पर हलचल मची हुई है। यह फिल्म अगले चैप्टर का खुलासा करने के लिए तैयार है। जासूसी यूनिवर्स की अब तक की फिल्में 'एक था टाइगर', 'टाइगर जिंदा है', 'वॉर', 'पठान' और अब 'टाइगर 3' हैं। सलमान ने कहा, ''वाईआरएफ ने टाइगर को जिस तरह बड़े पर्दे पर प्रस्तुत किया है, वह मुझे पसंद है। इसने दर्शकों को आकर्षित किया है। वे टाइगर को एक्शन में देखना पसंद करते हैं। फिल्म में अब तक के सबसे गंभीर और बेहतरीन एक्शन सीक्वेंस देखने को मिलेंगे। मुझे उम्मीद है कि दर्शकों को 'टाइगर 3' का ट्रेलर पसंद आएगा। 'टाइगर 3' इस दिवाली रिलीज होने के लिए तैयार है।

सलमान खान की अपकमिंग टाइगर 3 को लेकर फैंस का उत्साह सांतवे आसमान पर है। सुपरस्टार सलमान खान की ये फिल्म बॉलीवुड की दुनिया में तहलका मचाने वाली है। सलमान खान की ब्लॉकबस्टर 'टाइगर' सीरीज की ये तीसरी फिल्म यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स की सबसे पहली फिल्म थी। यही वजह है सुपरस्टार सलमान खान को यशराज फिल्म्स के स्पाई यूनिवर्स का 'बाप' बताते हैं। सलमान खान और कटरीना कैफ स्टारर मूवी 'टाइगर 3' अब रिलीज के बेहद करीब है। इस मूवी को मेकर्स इस दिवाली के मौके पर रिलीज करेंगे। इस बीच निर्माता-निर्देशक अपनी चर्चित फिल्म 'टाइगर 3' का ट्रेलर रिलीज करने वाले हैं। 'टाइगर 3' का ट्रेलर मेकर्स 16 अक्टूबर के दिन जारी करने वाले हैं। फिल्म से निर्माताओं ने उनका नया लुक फैंस को दिखाया है। सामने आए नए पोस्टर में बॉलीवुड के 'सुल्तान' काफी स्टाइलिश और डैशिंग नजर आ रहे हैं। साथ ही उनका वायलेंट लुक भी फैंस को देखने को मिला है। स्टार सलमान खान एक्शन मोड में अपने हाथों में लोहे की चेन थामे दिख रहे हैं। जिस पर फैंस ने जमकर कमेंट्स किए। सामनने आए इस पोस्टर को देखने के बाद एक यूजर ने कमेंट कर लिखा, 'टाइगर शिकार के लिए तैयार है।' जबकि, एक यूजर ने कमेंट सेक्शन में लिखा, 'वो पुराने सभी बॉक्स ऑफिस रिकॉर्ड्स को तोड़ने के लिए काफी भूखा है।'

RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

॥ श्री रिद्धि सिद्धि विनायकजीने नमः॥ ॥ श्री आशापुरा माताय नमः॥ ॥ श्री खेतलाजीने नमः॥

श्री आशापुरा माता भंडारी जैन ट्रस्ट, बेंगलूरु

श्री आशापुरा माताजी धाम की

दशमी वर्षगांठ

10 YEAR

व शारदीय नवरात्री उत्सव प्रसंगे

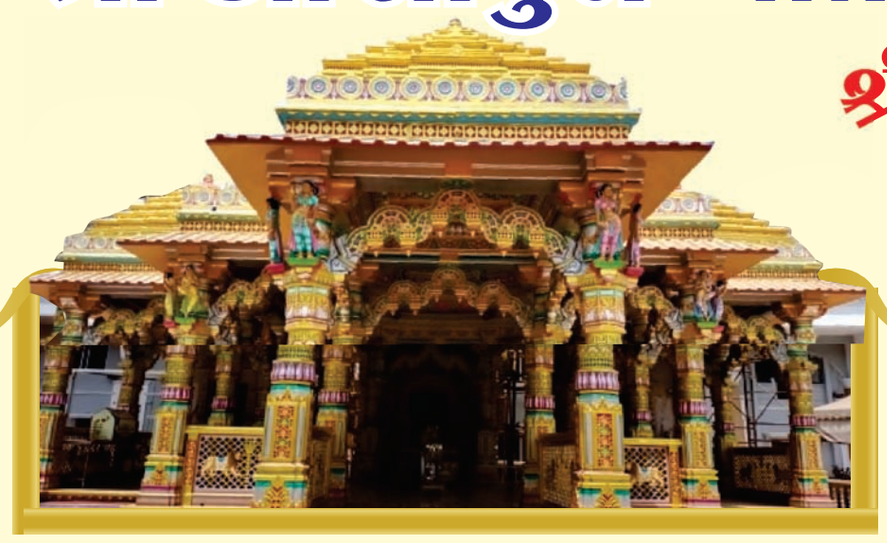

भावभरा

आमंत्रण

नवरात्री प्रारंभ
आसोज सुदि 1,
दि.15-10-23, रविवार

ध्वजारोहण
आसोज सुदि 9,
दि. 23-10-2023, सोमवार

आपको सूचित करते हुए अत्यंत खुशी हो रही है कि इस नवरात्री को हमारी कुलदेवी श्री आशापुरा माताजी धाम की प्रतिष्ठा को 10 वर्ष पूर्ण होने जा रहे हैं। हमारे ट्रस्ट मंडल ने अपनी इस दशमी वर्षगाँठ को नवरात्री महोत्सव के साथ धूम धाम से मनाने का निर्णय लिया है।

अश्विन शुक्ल प्रतिपाद से नवरात्रोत्सव आरंभ होता है। नवरात्रोत्सव में घट स्थापना करते हैं। अखंड दीप के माध्यम से नौ दिन श्री देवी माता की पूजा करना अर्थात् नवरात्रोत्सव मनाना। नवरात्रि काल में श्री देवी का तत्त्व अधिक कार्यरत होता है। शास्त्र समझकर देवी की उपासना करने से हमें दुर्गातत्त्व का अधिकाधिक लाभ होता है। दि.15-10-2023, रविवार से दि. 23-10-2023, सोमवार नौ दिन तक शत चंडी यज्ञ का आयोजन हो रहा है। अहमदाबाद से पधारे हुए 21 पंडितों द्वारा पंच कुंड़ीय हवन कुंड के साथ 9 कलशों की स्थापना करके यह यज्ञ बड़े ही विधिविधान से नौ दिन चलेगा। अतः आपसे निवेदन है कि संपूर्ण कार्यक्रमों के दौरान ज्यादा से ज्यादा संख्या में पधारकर सभी कार्यक्रमों का लाभ उठायें।

प्रात: 8-00 बजे 54 लाभार्थी परिवारों की नाम से नवरात्रि के नव दिवस हेतु 54 अखंड दीपक माताजी को, 54 अखंड दीपक खेतलाजी को, अखंड दीपक मंदिरजी में मंत्रोच्चार एवं विधिविधान के साथ 21 पंडितो द्वारा स्थापना की जायेगी।

प्रथम दिवस : दि. 15-10-2023, रविवार

दक्षिण भारत में सर्वप्रथम बार विश्वव्यापी प्रसिद्ध श्री आशापुरा माताजी धाम - बन्नेरघट्टा, बेंगलोर में लगभग 1125 किलो, 27 फीट उंचाई त्रिशुल स्तंभ, चार दिशाओं में माताजी बिराजित, नवग्रह बिराजित, माताजी की पगलिया बिराजित शुद्ध थांबा एवं पित्तल की धातु से राजस्थान (कोलिवाड़ा) के कुशल एवं प्रसिद्ध कारिगरों द्वारा बनाया भव्य त्रिशुल स्तंभ की प्रतिष्ठापन नवरात्रि के प्रथम दिवस मंत्रोच्चार एवं विधिविधान के साथ 21 पंडितो द्वारा की जायेगी।

सायंकाल 6-00 बजे नवरात्री के अखंड दीपक लाभार्थी (54 परिवार) द्वारा अलग अलग मंच पर अपने परिवार सहित श्री आशापुरा माताजी धाम - श्री रिद्धि सिद्धि विनायकजी - श्री सोनाणा खेतलाजी - श्री आशापुरा माताजी, श्री काला - गोरा भैरुजी एवं श्री माताजी एवं नवग्रह सहित श्री त्रिशुल स्तंभ की भव्य विशेष ढोल नगाडे एवं संगीतमय व्यवस्था के साथ आरती का कार्यक्रम होगा।

द्वितीय दिवस दि. 16-10-2023 से षष्टम दिवस दि. 20-10-2023

प्रतिदिन हवन, पूजन, यज्ञ, शतचंडी पाठ
चतुर्थी विशेष गणपति पूजन एवं भोग अर्पण
पंचमी विशेष खेतलाजी पूजन एवं भोग अर्पण
खेतलाजी अपने हाथ से तेल सिंधूर चढाने का अवसर

सप्तम दिवस : दि. 21-10-2023

हवन, पूजन, यज्ञ, शतचंडी पाठ **मेहंदी, बड़ी सांझी, डांडिया, गरबा, दीप अलंकार, रोशनी**

दोपहर 3-00 बजे : मेहंदी वितरण एवं मेहंदी कोरने के लिए बहनों की व्यवस्था रहेगी।

सभी पुरुषवर्ग कुर्ता-पायजामा एवं महिलाएं अपने पसंद की वेषभूषा में सज धजकर पधारने से माताजी की भक्ति में चार चाँद लगेंगे।

सायं 6-00 बजे : बडी सांझी एवं विशेष भक्ति संध्या जोधपुर की सुप्रसिद्ध गायिका खुश्बु कुंभट एवं टीम द्वारा बडी सांझी कार्यक्रम एवं भव्य भक्ति संध्या एवं बड़ी सांझी प्रभावना

अष्टम दिवस दि. 22-10-2023

नवरात्री में पैदल संघ का भव्य आयोजन

प्रात: 5-45 बजे : श्री मीनाक्षी मंदिर के सामने बिल्वव भवन, बन्नेरगट्टा मेन रोड़ के प्रांगण में पैदल संघ के यात्रिकों का स्वागत एवं किट वितरण

प्रात: 6-30 बजे : बाजते - गाजते माताजी - खेतलाजी की जय जयकार करते हुए पैदल संघ का शुभ प्रस्थान

प्रात: 10-45 बजे : श्री माताजी धाम में पैदल संघ का भव्य प्रवेश एवं मंदिरजी में 56 भोग अर्पण, भव्य आरती

माताजी को 56 भोग विशेष अर्पण
मध्यरात्रि 12-00 बजे तक विशेष दर्शन
शयन आरती रात्रि 12-05 बजे

माताजी के गीत रात्रि जोगो.... एवं भक्ति के साथ रात्रि जागरण
जोधपुर से राजस्थान के सुप्रसिद्ध गायक श्री जुगलकिशोरजी परिहार अपनी पूरी टीम एवं झाँकीयों से संग विशेष भक्ति संध्या

नवम दिवस : दि. 23-10-2023

प्रात: 7-00 बजे : पूजन प्रारंभ, राजोपचार पूजा,
प्रात: 10-30 बजे: ध्वजारोहण विधि विधान प्रारंभ
प्रात: 11-40 बजे : **शुभ मुहूर्त में पूर्णाहुति एवं ध्वजारोहण**
दोपहर 12-15 बजे : महा आरती - महाप्रसादी वितरण
दोपहर 12-30 बजे : शाही करबा
दोपहर 12-30 बजे : **फलेचुन्दडी पूरे दिन नवकारसी (सूर्यास्त तक)**

10 YEAR

नवरात्री में प्रतिदिन बन्नेरगट्टा मैन रोड़ पोलिस स्टेशन से माताजी के धाम आने जाने हेतु प्रात: 8-00 बजे से रात्रि 10-00 बजे तक प्रति घंटे वाहन की व्यवस्था रखी गई है। संपर्क सूत्र :93534 48818, 63752 62079

प्रतिदिन सायं 1008 दीपक की भव्य रोशनी एवं सजावट
श्री माताजी धाम में पूरे दिन नवकारसी प्रात: 8-00 बजे से सायं 6-00 बजे तक (सूर्यास्त) चालु रहेगी। समयानुसार सुबह का नास्ता - भोजन - हाई टी - सायं भोजन.

श्री आशापुरा माताजी - श्री सोनाणा खेतलाजी रिद्धि सिद्धि विनायकजी के भव्य दरबार में

दि. 15-10-2023 से दि. 23-10-2023 नवरात्रि के 9 दिन सायं 6-30 बजे से 9-30 बजे तक

प्रतिदिन 1008 दीपक प्रकटायेंगे प्रतिदिन 1008 गोले की ज्योत
प्रतिदिन 108 नारियल विनायकजी को अर्पण 1008 दीपक श्रृंगार एवं रोशनी प्रति दीपक लाभ लेने का

नकरा रु. 5400/-

लाभार्थी परिवारों को लाभ:

* नवरात्रि के 9 दिन लाभार्थी परिवारों के नाम से सायं 6-30 बजे से रात्रि 9-30 बजे तक 1008 दीपक प्रगटाये जायेंगे
* नवरात्रि महोत्सव की विशेष प्रसादी, * विशेष सुख शांति समृद्धि वाला यंत्र * परिवार के लिए 5 रक्षा पोटली * विशेष पूजित मंत्रित चांदी का समृद्धि कलश सिक्का।

इस आयोजन में 36कौम के सभी भक्तगण अपने शक्ति अनुसार 1,2,3,4,5,10,15 दीपक का लाभ ले सकते है। हर लाभार्थी परिवार को दीपक 1 कूपन दिया जायेगा। इस कूपन पर ही पूरी व्यवस्था की जायेगी इसको संभाल कर रखें।

संपर्क सूत्र: राजाजीनगर : निर्मल भंडारी 97313 34444, विजयनगर महेन्द्र भंडारी: 94480 17234, मामुलपेट प्रवीण भंडारी : 93437 91789, चामराजपेट भेरुमल भंडारी : 99806 66661, जयनगर मनिष भंडारी 99454 44448

Phone Pay & Google Pay - UPI ID : SHREEASHAPURAMATABHA.62585703 @HDFC BANK

निवेदक: श्री आशापुरा माता भंडारी जैन ट्रस्ट, बेंगलोर

चेतन राज भंडारी	अनिल कुमार M. भंडारी	अशोक T.भंडारी	महेन्द्र कुमार भंडारी	अशोक G. भंडारी	कैलाशकुमार भंडारी	निर्मल कुमार भंडारी
अध्यक्ष	उपाध्यक्ष	उपाध्यक्ष	सचीव	सह सचिव	सह सचिव	कोषाध्यक्ष
96631 71111	96111 11301	98450 55501	94484 30446	98441 98341	94485 73846	97313 34444

बन्नेरगट्टा पोलिस स्टेशन के सामने से कगलीपुरा रोड पर (3.5 कि.मी. अंदर) कासरगुप्पे, बेंगलूरु, सम्पर्क फोन : 93534 48818, 93424 77709, 96636 26742

Printed & Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com